RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 47 ता. 12 अगस्त 2024, मंगलवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

बांग्लादेश में हिंदुओं के नरसंहार के खिलाफ अमेरिका समेत कई देशों में प्रदर्शन

नई दिल्ली। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय के खिलाफ हिंसा की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है। इस हिंसा के खिलाफ बांग्लादेश की राजधानी ढाका और दुनिया के दूसरे देशों में हिंदू समुदाय ने विरोध प्रदर्शन किया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं और अन्य लोगों को निशाना बनाकर की गई कथित हिंसा के खिलाफ शुक्रवार को वाशिंगटन में व्हाइट हाउस के बाहर बड़ी संख्या में लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी और बांग्लादेशी झंडे लिए हुए थे और पोस्टर पकड़े हुए थे, जिसमें मांग की गई थी कि बांग्लादेशी अल्पसंख्यकों को बचाया जाए। उन्होंने हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए और हाल ही में हिंसा में वृद्धि के बीच शांति का आह्वान किया।वहीं, लंदन और फिनलैंड सहित दुनिया के कई और हिस्सों में भी विरोध प्रदर्शन की खबरें आईं। बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के चलते हिंदुओं को अभी तक निशाना बनाया जा रहा है और उनकी हत्या की जा रही है। इसी हिंसा के खिलाफ बीते दिन ढाका में हिंदू समुदाय के लोगों ने बड़े स्तर पर विरोध प्रदर्शन किया। पड़ोसी मुल्क में हिंदू मंदिरों को भी नष्ट किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी बांग्लादेश की नई अंतरिम सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा की अपील की। भारत सरकार के अधिकारियों का कहना है कि वो इस घटना पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने कहा कि वो अंतरिम सरकार से लगातार संपर्क में हैं।

जम्मू-कश्मीर के इस इलाके में फटा बादल, मची भारी तबाही

जम्मू । किश्तवाड के सिगड़ी भाटा गरातनर नाले के ऊपरी इलाके में बादल फटा। इससे इलाके में लगी फसल को खासा नुकसान हुआ है और भारी तबाही मच गई लेकिन गनीमत यह रही कि इसमें कोई जानी नुकसान नही हुआ।जिस प्रकार से राज्य में बारिश का सिलसिला शुरू हुआ है इससे आने वाले दिनों में जोरदार बारिशों का दौर भी देखने को मिल सकता है। अब एक सवाल यह खड़ा होता है कि कुदरत से ज्यादा छेड़छाड़ का नतीजा है जो देश भर में बादल फटने की घटनाओं में वृद्धि देखने को मिल रही है। फिलहाल बादल फटने से नाले में कीचड़ भरा मलबा और पत्थर तेज़ वेग से आना शुरू हो गए जिससे इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया

अनंतनाग के बाद अब किश्तवाड़ में मुठभेड़

जम्मू । किश्तवाड़ जिले के एक सुदूर जंगल में रविवार तड़के सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। अधिकारियों ने बताया कि आतंकियों की गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सेना और अर्धसैनिक बलों की मदद से पुलिस ने नौनट्टा, नागेनी पेयास और आसपास के इलाकों में तलाशी अभियान शुरू किया, जिसके बाद कुछ देर के लिए गोलीबारी हुई। जम्मू- कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में आतंकियों से मुठभेड़ के बाद उस इलाके में अतिरिक्त बल भेजे गए हैं और आतंकवादियों की तलाश के लिए अभियान जारी है। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के कोकेरनाग जंगल में भीषण गोलीबारी में दो सैन्यकर्मियों हवलदार दीपक कुमार यादव और लांस नायक प्रवीण शर्मा बलिदान हुए हो गए थे। इस गोलीबारी में दो नागरिकों सहित छह अन्य के घायल हुए थे।

डीयू अभ्यर्थियों के लिए ट्रायल आज से

नई दिल्ली । दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने पाठ्येतर गतिविधियां (ईसीए) कोटा से 2024-2025 स्नातक शैक्षणिक सत्र में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए शनिवार को ट्रायल कार्यक्रम जारी किया। जानकारी के अनुसार शास्त्रीय नृत्य, हिंदी वाद-विवाद, भारतीय सुगम संगीत और रंगमंच जैसी गतिविधियों के लिए यह ट्रायल 12 अगस्त से शुरू होंगे। खेल कोटा के अभ्यर्थियों के लिए ट्रायल 20 अगस्त से 22 अगस्त तक जारी रहेंगे। ईसीए कोटे से प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थियों को अपने संबंधित परीक्षण केंद्रों पर जाकर अपना ट्रायल देना होगा। इसमें उत्तीर्ण होने वाले अभ्यर्थियों को विशिष्ट पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए उनकी शैक्षणिक योग्यता में छूट दी जाएगी। अभ्यर्थियों को ट्रायल में शामिल होने के लिए डीयू की आधिकारिक वेबसाइट देखनी होगी। डीयू ने इस वर्ष प्रत्येक कॉलेज में कुल सीटों का 5 प्रतिशत ईसीए और खेल श्रेणियों के लिए आवंटित किया है।

घटिया हेलमेट बनाने वाली फैक्ट्री को सील करेंगे कलेक्टर

नई दिल्ली । केंद्रीय उपभोक्ता मंत्रालय द्वारा देश के सभी 736 जिला कलेक्टर तथा जिला मजिस्ट्रेट को आदेश दिया है। उनके जिले में आईएसआई मानक के हेलमेट का विक्रय हो। यदि उनके जिले में कोई हेलमेट निर्माता है। तो वह भी मानक के अनुसार हेलमेट का निर्माण करें। यदि घटिया क्वालिटी का हेलमेट पाया जाए, उस फैक्ट्री को सील करने के आदेश जिला कलेक्टर को दिए गये हैं। उपभोक्ता मंत्रालय के अपर सचिव भरत खेड़ा द्वारा यह आदेश सभी जिले के कलेक्टर को भेजा गया है। घटिया हेलमेट के निर्माण और बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। सभी जिला कलेक्टर को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। यह कार्रवाई सड़क सुरक्षा अभियान के तहत की गई है।

राष्ट्र विरोधी ताकतें

हमारी संवैधानिक संस्थाओं के मंचों का कर रहीं इस्तेमाल

-भारत का बांग्लादेश जैसा होगा हाल की बात पर भड़के उपसभापति धनखड़

नई दिल्ली, ।

राज्यसभा के उपसभापति जगदीप धनखड़ भारत का हाल भी बांग्लादेश जैसा होगा कहने वालों पर भड़क गए। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए उनका आलोचना करते हुए चिंता जताते हुए कहा कि कैसे कोई भारत की तुलना बांग्लादेश से कर सकता है। धनखड़ ने यह बातें जोधपुर में राजस्थान हाईकोर्ट के प्लेटिनम जुबिली समारोह में कहीं।धनखड़ ने कहा कि कैसे इस देश का नागरिक जो संसद सदस्य रह चुका है और एक अन्य जिसने कई विदेश सेवाएं देखी हैं, ऐसी बातें कर सकता है। ऐसा माना जा रहा जगदीप धनखड़ ने वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं सलमान खुर्शीद और मणिशंकर अय्यर पर निशाना साधा है। इन दोनों नेताओं ने भारत में भी बांग्लादेश जैसे हालात पैदा हाने की बात कही थी।धनखड़ ने यह भी कहा कि राष्ट्र विरोधी ताकतें अपनी हरकतों को छिपाने या वैध बनाने के लिए हमारी संवैधानिक संस्थाओं के मंचों का इस्तेमाल कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी स्थिति में राष्ट्रीय हित सबसे ऊपर है। उन्होंने कहा कि यह एकमात्र प्राथमिकता है और हम किसी भी चीज से पहले राष्ट्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि विधायिका फैसला नहीं लिख सकती, इसी तरह न्यायपालिका कानून नहीं बना सकती या ऐसे निर्देश नहीं दे सकती जो कानून से परे हों। उन्होंने कहा कि संविधान में सभी संस्थाओं की भूमिका का स्पष्ट उल्लेख है। अगर एक संवैधानिक संस्था के क्षेत्र में दूसरे का अतिक्रमण हो तो यह खतरनाक होगा। हमारे लोकतंत्र के लिए नापाक मंसूबे वालों से संस्थाओं को बचाने के लिए काम करें और अगर वे कुछ पैठ बनाने में कामयाब भी हो जाते हैं, तो चुप न रहें, उन्हें बेअसर करें। उन्होंने आगाह करते हुए कहा कि भारत विरोधी ताकतें हमारी प्रगति में बाधा डालने का प्रयास कर रही हैं। ये ताकतें हमारी संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रही हैं, उन्हें कलंकित और कमजोर कर रही हैं। उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की न्यायिक प्रणाली और उसकी कार्यक्षमता उसकी लोकतांत्रिक जीवंतता को परिभाषित करती है। किसी भी सरकार के लिए एक स्वतंत्र न्याय प्रणाली जरुरी है, क्योंकि यह जीवनरेखा है।

हरित और श्वेत क्रांति के बाद अब पोषण क्रांति

पीएम मोदी ने उन्नत किस्म के बीज लॉन्च किया

नई दिल्ली।

भारत में हरित और श्वेत क्रांति के बाद अब पोषण क्रांति लाने की शुरुआत हो गई है। इसके तहत कृषि वैज्ञानिकों ने भारतीय जलवायु के हिसाब से 109 किस्म के उन्नत बीज का विकास किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को इन उन्नत बीजों को लॉच किया है। इस अवसर पर पीएम मोदी ने किसानों से कहा कि खास बात तो यह है कि ये सभी 109 बीज उच्च उपज देने वाले, जलवायु के अनुकूल और भरपूर पोषणयुक्त हैं। इसी के साथ दिल्ली में स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में पीएम मोदी ने नई फसल किस्मों को लॉच किया। इस अवसर पर उन्होंने नई फसल किस्मों के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि इन फसल किस्मों से किसानों को काफी लाभ होगा। इनसे खर्च कम होगा और पर्यावरण पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। इन नई किस्मों की तारीफ किसानों ने भी की है। उन्होंने यहां प्राकृतिक खेती के लाभ और जैविक खाद्य पदार्थों की बढ़ती मांग के विषय में भी चर्चा की। यहां पर प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि विज्ञान केन्द्रों की भूमिका की भी सराहना की और सुझाव देते हुए कहा कि विज्ञान केंद्रों को हर महीने नई किस्मों के बारे में किसानों को जानकारी देना चाहिए, ताकि किसानों में इनके प्रति अधिक जागरूकता आए। इसके साथ ही पीएम मोदी ने इन नई फसल किस्मों के विकास में योगदान देने वाले वैज्ञानिकों की भी प्रशंसा की है। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिकों ने बताया है कि वे प्रधानमंत्री के सुझाव अनुसार इन फसलों को मुख्यधारा में लाने के प्रयास में लगे हुए हैं। पीएम मोदी द्वारा जारी 109 किस्मों में 61 फसलें भी शामिल हैं, जिनमें 34 अन्न-तेलहन और 27 बागवानी की फसलें हैं। इनमें विभिन्न प्रकार के अनाज, चारा, तेलहन, दाल, गन्ना, कपास आदि की फसलें और अन्य संभावित फसलों के बीज शामिल किए गए हैं।

भारत को दक्षिण एशिया के देशों से मिल रही है चुनौती

- चीन और अमेरिका की महाशक्तियों के बीच फंसा भारत

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश में हाल ही में सत्ता परिवर्तन हुआ है। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री को देश छोड़कर भारत में शरण लेनी पड़ी है। श्रीलंका के हालात भी बेहद चिंताजनक है। श्रीलंका में 21 सितंबर को राष्ट्रपति का चुनाव होना है। राष्ट्रपति चुनाव को लेकर अमेरिका और चीन अपने-अपने उम्मीदवारों को जिताने के लिए पूरी ताकत लगा रहे हैं। भारत सरकार की वहां कोई भूमिका नहीं है। श्रीलंका राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की दौड़ में चार उम्मीदवार हैं। राष्ट्रपति रानिल विक्रम संघे, स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। विपक्षी नेता संजीत प्रेमदासा,अनुराग कुमार दिशा नायके और महिंद्रा राजपक्षे के बेटे नमल राजपक्षे चुनाव लड़ रहे हैं। नेपाल में भी राजनीतिक हलचल मची हुई है। यहां पर भी चीन द्वारा नेपाल की राजनीति में हस्तक्षेप किया जा रहा है। नेपाल में चीन का भारी प्रभाव है। अमेरिका और चीन की महाशक्तियां दक्षिण एशिया के देशों में अपना प्रभुत्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। चीन ने भारत के पड़ोसी देशों के साथ आर्थिक और राजनीतिक रूप से अपनी भूमिका काफी बढ़ा दी है। भारत की भूमिका बिल्कुल नग्नय हो गई है। जो चिंता की बात है।

पंजाब मेल में आग की अफवाह फैलते ही चलती ट्रेन से कूदे लोग, 20 घायल

शाहजहांपुर, ।

उत्तर प्रदेश के शाहजहांपुर में रविवार सुबह पंजाब मेल में आग लगने की अफवाह फैलने से भगदड़ मच गई। चलती ट्रेन से कूदने के कारण करीब 20 से ज्यादा यात्री घायल हो गए, जबकि 7 लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। घटना बरेली और कटरा स्टेशन के मध्य होना बताई गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार पंजाब मेल में अचानक आग लगने की अफवाह फैली, जिससे घबराकर अनेक यात्री चलती ट्रेन से ही कूदना शुरु कर दिए। घबराहट में लोग अपनी- अपनी जान बचाने यहां-वहां भागने लगे। इस भगदड़ में अनेक लोग घायल हो गए। घायलों में 7 लोगों की हालत गंभीर बताई गई है। घायलों को इलाज के लिए शाहजहांपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है। यह हादसा पंजाब मेंल एक्सप्रेस ट्रेन नंबर 13006 अमृतसर से हावड़ा जाने वाली ट्रेन में हुआ है। जानकारी अनुसार पंजाब मेल अमृतसर से हावड़ा की ओर जा रही थी तभी सुबह तकरीबन 8:30 बजे बिलपुर कटरा स्टेशन के पास जनरल कोच में धुंआ उठता दिखाई दिया। लोगों को लगा बोगी में आग लगी हुई है। आग लगने की अफवाह फैली और तभी यात्री चलती ट्रेन से ही कूदकर भागने लगे। प्रत्यक्षदर्शियों के हवाले से बताया गया कि धुंआ सीजफायर सिलेंडर के लीक होने से उठा था।

राष्ट्रपति मुर्मू को सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिलना हमारे लिए गर्व का क्षण:पीएम मोदी

नई दिल्ली, ।

पीएम नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को तिमोर-लेस्ते के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से नवाजे जाने पर इस भारत के लिए गर्व का क्षण बताया है और कहा कि यह अवार्ड दोनों देशों के बीच मजबूत संबंधों अऔर आपसी सम्मान को दर्शाता है।राष्ट्रपति मुर्मू को सामाजिक सेवा में उनकी उपलब्धियों और शिक्षा, सामाजिक कल्याण और महिला सशक्तीकरण के लिए उनके समर्पण के लिए तिमोर-लेस्ते के राष्ट्रपति जोस रामोस-होर्ता ने अपने देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित किया था। पीएम मोदी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-राष्ट्रपति जी को तिमोर-लेस्ते के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ग्रैंड-कॉलर ऑफ द ऑर्डर ऑफ तिमोर-लेस्ते से सम्मानित होते देखना हमारे लिए गर्व का क्षण है।उन्होंने कहा कि यह हमारे देशों के बीच मजबूत संबंधों और आपसी सम्मान को दर्शाता है। यह कई सालों तक सार्वजनिक जीवन में उनके स्मारकीय योगदान को भी मान्यता है।

राष्ट्रपति मुर्मू तीन देशों की अपनी यात्रा के आखिरी पड़ाव में शनिवार को दक्षिण-एशियाई देश तिमोर-लेस्ते की राजधानी दिली में पहुंची थीं। इससे पहले, उन्होंने न्यूजीलैंड और फिजी की यात्रा की थी। मुर्मू तिमोर-लेस्ते की यात्रा करने वाली भारत की पहली राष्ट्रपति हैं।

अगले 7 दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में भयंकर बारिश...जाते-जाते मानसून मचाएगा कहर

नई दिल्ली ।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले 7 दिनों में देश के विभिन्न हिस्सों में बारिश में वृद्धि की भविष्यवाणी की है। एक चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश पर और दूसरा उत्तर-पूर्व राजस्थान पर बनने से हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, राजस्थान और पूर्वी उत्तर प्रदेश सहित उत्तर-पश्चिम भारत में भारी वर्षा होने की उम्मीद है।10 से 16 अगस्त तक इन क्षेत्रों में व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। इस अवधि के दौरान हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और पूर्वी राजस्थान में भी अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

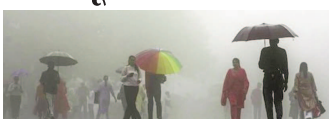

मानसून ट्रफ सामान्य बनी हुई है और बीकानेर, रोहतक और अन्य क्षेत्रों से गुजर रही है, उत्तर-पूर्व राजस्थान, दक्षिण-पूर्व उत्तर प्रदेश और उत्तर-पूर्व असम पर चक्रवाती परिसंचरण जारी है। दक्षिण आंतरिक कर्नाटक से कोमोरिन तक एक ट्रफ रेखा बनी हुई है और

एक ऑफशोर ट्रफ महाराष्ट्र-कर्नाटक तटों पर बनी हुई है, जो भारी वर्षा की संभावना के साथ सक्रिय मानसून की स्थिति का संकेत देती है।पश्चिम और मध्य भारत पश्चिम और मध्य भारत में, छत्तीसगढ़, गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी 11 अगस्त को व्यापक रूप से हल्की से मध्यम वर्षा के साथ कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है। अगस्त को पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की भी संभावना है।

ममता ने ओडिशा के मुख्यमंत्री से बंगाली मजदूरों पर हो रहे ‘अत्याचार में हस्तक्षेप करने का आग्रह किया

पश्चिम बंगाल ।

की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रविवार को ओड़िशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी से फोन पर बातचीत कर पड़ोसी राज्य में मजदूरों पर हमले की कथित घटनाओं की जांच कराने का अनुरोध किया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि ममता ने उन्हें इस तरह की घटनाओं से भी अवगत कराया। उन्होंने बताया, ÷पश्चिम बंगाल से कई लोग काम करने के लिए ओडिशा गए हैं। ऐसी खबरें हैं कि स्थानीय लोग उन्हें बांग्लादेशी समझकर पीट रहे हैं और उन्हें प्रताड़ित किया जा रहा है।अधिकारी ने ‘पीटीआई-भाषा को बताया,बंगाल की मुख्यमंत्री ने मांझी से बात की और उनसे मामले पर गौर करने का अनुरोध किया।उन्होंने बताया कि ममता ने राज्य के मजदूरों से भी जल्द से जल्द पश्चिम बंगाल लौटने और यहां उपलब्ध अवसरों का लाभ उठाने का आग्रह किया।

हर परमाणु हथियार से लैस है भारत की नई पनडुब्बी, आईएनएस अरिघात

नई दिल्ली ।

चीन हिंद महासागर इलाके में अपनी नौसेना की मौजूदगी तेजी से बढ़ रहा है। इससे निपटने के लिए भारत ने भी अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। विजाग शिप-बिल्डिंग सेंटर (एसबीसी) में बनाई गई 6,000 टन वजनी आईएनएस अरिघात काफी लंबे समय से जारी परीक्षणों के बाद औपचारिक कमीशनिंग के लिए पूरी तरह तैयार है। इन परीक्षणों के दौर में लंबे समय तक अपग्रेड के साथ कुछ तकनीकी मुद्दों को हल किया गया।

हिंद महासागर में चीन की लगातार बढ़ती घुसपैठ से निपटने के लिए भारत ने अब पूरी तरह कमर कस ली है। इसके लिए अपनी पनडुब्बियों के बेड़े को भारत पूरी तरह चाक- चौबंद करने में जुट गया है। भारत में परमाणु ईंधन से चलने वाली और परमाणु हथियारों से लैस पनडुब्बियों को बनाने की दिशा में एक बड़ी छलांग लगाई है। इन कोशिशों के सफल होने के बाद भारत अपनी दूसरी परमाणु-संचालित पनडुब्बी को चालू करने के लिए पूरी तरह तैयार है। यह पनडुब्बी किसी भी तरह की जंग के लिए परमाणु मिसाइलों से लैस है। इसके साथ ही पारंपरिक हथियारों से लैस दो परमाणु-संचालित हमलावर पनडुब्बियों को बनाने की परियोजना भी अंतिम मंजूरी के लिए तैयार है।भारत जल्द ही परमाणु ईंधन से चलने वाली पारंपरिक और गैर-परमाणु हथियारों से लैस 2 पनडुब्बियों को बनाने के प्रोजेक्ट को जल्द ही अपनी मंजूरी दे सकता है। ये दोनों पनडुब्बियां टॉरपीडो, एंटी-शिप और लैंड-अटैक मिसाइलों से लैस होंगी। लगभग 40,000 करोड़ रुपये की इस परियोजना को बार-बार की जांच और संबंधित कई मंत्रालयें के विचार के बाद अंतिम मंजूरी के लिए अब पीएम की अगुवाई वाली कैबिनेट सुरक्षा समिति के सामने रखा गया है। पहले 'प्रोजेक्ट-77' के तहत छह ऐसी 6,000 टन की 'हंटर-किलर' पनडुब्बियों को बनाया जाना था।

बाद में इनकी संख्या को घटाकर केवल 2 कर दिया गया। बताया गया है कि इन 2 मारक पनडुब्बियों को बनाने में एक दशक लगेगा, जो लगभग 95 फीसदी स्वदेशी होंगी। जबकि अगली 4 पनडुब्बियों को बाद के चरण में

मंजूरी दी जाएगी। भारत को चीन और पाकिस्तान से दोहरे खतरे से निपटने के लिए कम से कम 18 डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों, चार एसएसबीएन और छह एसएसएन की जरूरत है।

संक्षिप्त समाचार

लाल किले से 15 अगस्त को प्रधानमंत्री के 11 सूत्रीय कार्यक्रम

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लाल किले से विकसित भारत के लिए 11 सूत्रीय प्रोग्राम की घोषणा कर सकते हैं। इसके लिए मंत्रालय द्वारा व्यापक स्तर पर कार्रवाई की जा रही है। इन 11 सूत्रीय कार्यक्रम में विश्व बंधु भारत का संकल्प देशवासियों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिलाएंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल का पहला संबोधन, लाल किले से होगा। पहले वह 10 बार लाल किले से देश की जनता को संबोधित कर चुके हैं। प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बाद वह दूसरे प्रधानमंत्री होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार 11वीं बार लाल किले से संबोधन देंगे।

जर्मनी में कोकीन की तस्करी करने वाला आरोपी को पंजाब पुलिस ने पकड़ा

चंडीगढ़, । पंजाब पुलिस ने जर्मनी में 487 किलोग्राम कोकीन की तस्करी करने वाले मुख्य आरोपी को एक संयुक्त अभियान के दौरान गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि सिमरनजोत सिंह को 16 जून को एक किलोग्राम हेरोइन के साथ पकड़े गए दो स्थानीय मादक पदार्थ तस्करों बेअंत सिंह और सुखदीप सिंह से मिली सूचना के आधार पर गिरफ्तार कर किया है।पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने कहा कि पुलिस ने फिलहाल अमेरिका में रहने वाले मनदीप सिंह और उसके निर्देश पर पंजाब में हेरोइन खरीदने वालों की तलाश कर रहे सिमरनजोत सिंह संधू के खिलाफ मामला दर्ज किया था। डीजीपी ने संधू को अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का सरगना जर्मनी में मादक पदार्थ से संबंधित कई अपराधों में वांछित बताया है। उन्होंने कहा कि शुरुआती जांच में पता चला है कि संधू ने भारत और यूरोपीय देशों में मादक पदार्थों की तस्करी में प्रमुख रुप से शामिल था।

भाजपा सभी विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकालेगी

लखनऊ । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की राज्य इकाई रविवार से मंगलवार तक प्रदेश के सभी 403 विधानसभा क्षेत्रों में तिरंगा यात्रा निकालेगी। पार्टी मुख्यालय से शनिवार को एक बयान में यह जानकारी दी गयी। बयान के अनुसार भाजपा हर घर तिरंगा अभियान के तहत विधानसभा स्तर पर तिरंगा यात्रा आयोजित करेगी जो 11 अगस्त से 13 अगस्त तक प्रदेश की सभी 403 विधानसभाओं में राष्ट्र प्रेम का संदेश लेकर शहर, गांव, गली, मोहल्लों तक पहुंचेगी।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी तथा प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह सहित प्रदेश सरकार के मंत्री, सांसद, विधायक, पार्टी के मंडल, बूथ के पदाधिकारी व सभी जनप्रतिनिधि पार्टी कार्यकर्ताओं व स्थानीय नागरिकों के साथ हाथों में तिरंगा लेकर इस यात्रा के लिए निकलेंगे। हर घर तिरंगा अभियान के प्रदेश सह संयोजक डॉ समीर सिंह ने शनिवार को बताया कि भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी रविवार को सहारनपुर में तिरंगा यात्रा में पार्टी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं के साथ सहभागिता करेंगे।

तुंगभद्रा बांध का द्वार टूटा, कृष्णा नदी के किनारे रहने वालों को किया सतर्क

कुरनूल । आंध्र प्रदेश में एपीएसडीएम्ए ने तुंगभद्रा बांध का द्वार बहने के बाद कृष्णा नदी के किनारे रह रहे लोगों को रविवार को सतर्क रहने की सलाह दी है। एपीएसडीएम्ए के प्रबंध निदेशक आर कुर्मानाथ ने कहा कि चेन की एक कड़ी टूटने से द्वार 19 बह गया है। यह हादसा होसपेट में शनिवार रात हुआ। कुर्मानाथ ने एक विज्ञप्ति में कहा कि बाढ़ का लगभग 35,000 क्यूसेक पानी बह गया और 48 हजार क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा जाएगा। कुरनूल जिले के कोसिरी, मंत्रालयम, नंदावरम और कौथलम के लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है। प्रबंध निदेशक ने कृष्णा नदी के तटों के पास रह रहे लोगों को नदी को पार न करने की सलाह दी है।

अफसरों और वीवीआईपी के लिए गुजरात पुलिस ने रखा काला कुत्ता कोड

अहमदाबाद । गुजरात हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति एवाय कोगजे और न्यायमूर्ति समीर दुवे की पीठ ने जर्जर सड़कों, आवारा पशुओं और ट्रैफिक समस्या की अवमानना याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सुनवाई के दौरान पुलिस द्वारा काला कुत्ता कोड वर्ड पर भी चर्चा हुई। गुजरात की ट्रैफिक पुलिस सरकारी अधिकारियों और वीवीआईपी वाहनों के लिए काला कुत्ता कोड वर्ड का इस्तेमाल करती है। वीवीआईपी वाहनों का चालान ट्रैफिक पुलिस द्वारा नहीं किया जाता है। हाईकोर्ट ने अभी तक ठोस कार्यवाही नहीं किए जाने पर नाराजगी प्रकट की। हाई कोर्ट ने महानगर पालिका और पुलिस को इसके लिए जिम्मेदार ठहराते हुए, 20 अगस्त तक रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया है।

साल में दो बार बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करेगा मेघालय, कैबिनेट ने दी मंजूरी

नई दिल्ली ।

भारत की शिक्षा व्यवस्था में बदलाव दिखने लगे हैं। इसकी शुरुआत मेघालय हो गई है। जहां कैबिनेट की बैठक में नेशनल एजुकेशन पॉलिसी (एनईपी 2020) के तहत कुछ बदलावों को मंजूरी दी गई है। इनमें से एक बड़ा बदलाव बोर्ड परीक्षा को लेकर भी है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने साल में दो बार बोर्ड परीक्षा करवाने की जानकारी थी। अब इसकी शुरुआत होने जा रही है। मेघालय के शिक्षा मंत्री रक्कम ए संगमा ने शनिवार को कहा कि राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड अगले साल से कक्षा 10 की दो परीक्षाएं आयोजित करेगा। बता दें कि साल 2025-26 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं के लिए दो प्लान बनाए गए हैं। पहले प्लान में साल में दो बार बोर्ड परीक्षा शामिल है, जिसमें स्टूडेंट्स का बेहतर रिजल्ट होगा उसी को फाइनल माना जाएगा। वहीं दूसरे प्लान में बोर्ड परीक्षाओं को सेमेस्टर वाइज करवाना है। यानी छात्रों को पूरा सिलेबस 6-6 महीने में कवर किया जाएगा और सेमेस्टर वाइज परीक्षा होगी। एक बार फरवरी में और दूसरी बार अप्रैल में बोर्ड परीक्षा होगी। मेघालय बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन साल 2025 में दो सेकेंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन परीक्षाएं आयोजित करेगा। उन्होंने कहा कि सेकेंडरी स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन 2011 के लिए मेघालय बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन रेगुलेशन में संशोधन के इस प्रस्ताव को राज्य कैबिनेट ने शुक्रवार को मंजूरी दे दी है। दो एसएसएलसी बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करने का यह कदम उन छात्रों को दूसरा मौका देने के लिए है जो बोर्ड परीक्षा में पास नहीं हो पाए। संगमा ने कहा, 2025 की शुरुआत से, एमबीओएसई हर साल दो एसएसएलसी बोर्ड परीक्षाएं आयोजित करेगा। पहली परीक्षा फरवरी या मार्च की शुरुआत में होगी और दूसरी परीक्षा में सभी या कुछ विषयों में फेल होने वाले छात्रों को एक से दो महीने के भीतर फिर से परीक्षा देने का मौका मिलेगा, जो मई में होगी। शिक्षा मंत्री ने कहा कि यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के चल रहे कार्यान्वयन के अनुरूप है और इसे अटेंप्ट्स के बीच खराब हुए समय को कम करके छात्रों के हित में डिज़ाइन किया गया है।

पांच महीने बाद फिर से क्रेश हुआ एक और एयरक्राफ्ट

- टेस्टिंग और मेंटनेंस के लिए बुलाए गए पायलेट हुए घायल

गुना

लगभग पांच महीने बाद एक बार फिर गुना में रविवार को एक टू-सीटर विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटनाग्रस्त यह विमान एयरक्राफ्ट कर्नाटक के बेलगावी एविएशन ट्रेनिंग इंटीट्यूट का है। एयरक्राफ्ट टेस्टिंग और मेंटेनेंस के लिए गुना की शा-शिव एकेडमी में लाया गया था। जिसे दो पायलट परीक्षण उड़ान के लिए लेकर निकले थे। करीब 40 मिनट तक हवा में रहने के बाद अचानक विमान का संतुलन बिगड़ गया और यह लहराते हुए जमीन पर आ गिरा। आशंका जताई जा रही है कि विमान का इंजन फेल होने की वजह से हादसा हुआ। इस दुर्घटना में दोनों पायलटों के घायल होने की खबर है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गुना के कैंट क्षेत्र में स्थित हवाई पट्टी के निकट दो सीटर एयरक्राफ्ट 152 दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह रविवार 11 अगस्त को दोपहर करीब 1 बजे टेस्ट फ्लाइट के लिए उड़ा था। करीब 40 मिनट उड़ने के बाद एयरक्राफ्ट परिसर में ही क्रेश हो गया। विमान में सवार कैप्टन वी चंद्र ठाकुर और पायलट नागेश कुमार घायल हैं। दोनों पायलट हैदराबाद के रहने वाले हैं। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर कैट पुलिस सहित एकेडमी के अधिकारी पहुंचे। सूत्रों के अनुसार ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट ने दोनों पायलट हायर किए थे। एयरक्राफ्ट टेस्टिंग और मेंटेनेंस के लिए गुना की शा-शिव एकेडमी में लाया गया था। इधर दोनों घायल पायलट को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उनकी हालत खतरे से बाहर है।

सांसद सुप्रिया सुले का मोबाइल फोन हो गया हैक

मुंबई, ।

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) की सांसद सुप्रिया सुले का मोबाइल फोन हैक हो गया है. इस बात की जानकारी खुद सुप्रिया सुले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर देते हुआ कहा कि उनका मोबाइल और व्हाट्सएप हैक कर लिया गया है.

सुप्रिया सुले ने रविवार दोपहर करीब 1 बजे सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया. इसमें उन्होंने कार्यकर्ताओं और जनता को संदेश दिया. सुप्रिया सुले ने बेहद अहम बात बताते हुए कहा कि उनका मोबाइल फोन हैक कर लिया गया है. साथ ही उन्होंने कहा कि कोई भी उन्हें कॉल या मैसेज न करे. मेरा फोन हैक हो गया है. मेरा फोन कोई और चला रहा है।

हैक के बाद मैंने देखा कि मेरा व्हाट्सएप काम नहीं कर रहा था। मैंने जयंत राव से कहा, मेरा फोन चेक करो, उन्होंने नमस्कार कहते हुए वॉट्सऐप मैसेज भेजा।

उस समय मेरे कुछ किये बिना ही जयन्तराव को नमस्कार का उत्तर दे दिया गया। इसके बाद मैंने अपना मोबाइल बंद कर दिया और सिम हटा दी।

उसके बाद फिर मैंने उनसे व्हाट्सएप पर मैसेज करने को कहा. उस वक्त हैकर ने एक मैसेज भेजा जिसमें लिखा था आप कहां हैं जब दूसरे व्यक्ति ने हैलो वाला मैसेज भेजा तो उन्हें भी हैलो वाला मैसेज मिला.

इसके बाद उन्होंने मैसेज भेजा कि हम आपका इंतजार कर रहे हैं और फिर दोबारा मैसेज आया जिसमें लिखा था कि आई कॉल यू लेटर अभी भी समझ नहीं आ रहा है कि भले ही मेरा फोन बंद हो गया है, लेकिन सिम हटा दी गई है, फिर भी मुझसे चैट हो रही है। मैंने इस संबंध में पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है.

बारिश के चलते दिल्ली की सड़कें हुईं जलमग्न

नई दिल्ली ।

देश की राजधानी के कई हिस्सों में रविवार सुबह बारिश हुई जिससे कुछ इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया। आईएमडी के अनुसार दिल्ली में पिछले 24 घंटे में 2.9 मिलीमीटर बारिश हुई। रविवार को राजधानी में न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है।दिल्ली यातायात पुलिस ने छावला स्टैंड के पास जलभराव और तीन क्लस्टर बस के खराब होने की जानकारी दी।

पुलिस ने सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में बताया, कि नांगलोई से टिकरी बॉर्डर की ओर

जाने वाले रोहतक रोड पर गड्ढों और जलभराव के कारण यातायात प्रभावित है।

दिल्ली में सुबह सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 92 प्रतिशत दर्ज किया गया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी में सुबह वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 74 दर्ज किया गया जो संतोषजनक है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

जूनियर डॉक्टर की हत्या से माता-पिता के ख्वाब टूटे

कोलकाता ।

कोलकाता के एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में जूनियर डॉक्टर की हत्या ने एक माता-पिता के ख्वाब भी तोड़ दिए हैं। उन्होंने बेटी के लिए 6 महीने पहले एक कार खरीदी थी। ताकि वह रात को आराम से और सुरक्षित तरीके से घर लौट सके, लेकिन अब बस रह गया है सूना घर जिस पर लगी है उसके नाम की पट्टे टी। जिससे पीजी में उसके स्पेशलाइजेशन का पता चलता है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस निर्भया के पिता बताते हैं कि घर पर बेटी के नाम की पट्टे टी तब लगी थी जब वह पीजी सेकेंड इयर में पहुंची थी। उन्होंने कहा कि मैं चाहता था कि वह सुरक्षित रहे इसलिए उसने निजी वाहन से ट्रैवल करना पसंद किया। वह सड़क पर तो सुरक्षित थी, लेकिन अस्पताल में मौजूद डॉक्टर के तौर पर सुरक्षित नहीं थी। पीड़िता के पिता ने कहा कि बेटी ने गुरुवार की रात मां से बात की थी। मां ने पूछा कि खाना खाया या नहीं। इस पर बेटी ने कहा कि वह अपने साथ खाना लेकर आई है। उसने मां से खाना खाकर सोने को कहा। बेटी के आखिरी शब्द थे मझे वार्ड में राउंड पर जाना है। इसके बाद शुक्रवार सुबह हमें एक फोन कॉल आई। मुझे जल्दी से अस्पताल आने को कहा गया। बताया गया कि मेरी बेटी बीमार हो गई है। हम परेशान हो गए और वापस कॉल करने की कोशिश करते रहे। जब तीसरी बार कॉल उठाई तो हमें बताया गया कि हमारी बेटी की मौत हो चुकी है। उसने खुदकुशी की है।रिपोर्ट के अनुसार पीड़िता के चाचा ने कहा कि वह पढ़ने में बहुत अच्छी थी। उसने मेडिकल के साथ इंजीनियरिंग की प्रवेश परीक्षा भी अच्छी रैंक से पास थी थी, लेकिन उसका मन डॉक्टर बनने का था। अपने दिल की सुनते हुए उसने नादिया हॉस्पिटल में दाखिला लिया और 2018 में एमबीबीएस की डिग्री हासिल की। इसके बाद अपने पसंदीदा सरकारी कॉलेज से पीजी करने के लिए दो साल तैयारी की। उसके पास दो विकल्प थे जेएनएम कल्याणी मेडिकल कॉलेज और आरजी कर। हम सभी ने सोचा था कि आरजी कर में दाखिला लेकर वह बेहतर सुविधाओं वाले मेट्रो शहर में रहेगी।

एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर की अवधारणा पर कांग्रेस का स्टैंड साफ नहीं:मायावती

-बाबा साहेब को कानून मंत्री पद से इस्तीफा देने को किया था मजबूर

लखनऊ, ।

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की सुप्रीमो मायावती ने एससी-एसटी आरक्षण में क्रीमी लेयर की अवधारणा पर अपना स्टैंड साफ नहीं करने के लिए कांग्रेस की आलोचना की है। मायावती ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पर आरक्षण का श्रेय बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर की बजाय जवाहरलाल नेहरू और महात्मा गांधी को देने का आरोप लगाया है। मायावती ने अपने एक्स पर लिखा-कल कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा दिए बयान की जानकारी मिली।

एससी-एसटी के समक्ष कांग्रेस के बयान में बाबा साहेब को नहीं बल्कि पंडित नेहरू व गांधीजी को आरक्षण का श्रेय दिया गया है, जिसमें कोई सच्चाई नहीं है।मायावती ने लिखा-वास्तव में आरक्षण का पूरा श्रेय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर को ही जाता है, जिनको कांग्रेस के लोगों ने संविधान सभा में जाने से रोका और उनको चुनाव में हराने का भी काम किया।उन्हें कानून मंत्री के पद से भी इस्तीफा देने को मजबूर किया गया। खड़गे ने यह कहा कि देश में एससी व एसटी वर्गों के उपवर्गीकरण के संबंध में अपने स्टैंड का खुलासा करने के पहले उनकी पार्टी एनजीओएस व वकीलों आदि से विचार-विमर्श करेगी, जिससे साफ है कि कांग्रेस उपवर्गीकरण के पक्ष में है।

कांग्रेस क्रीमीलेयर के बारे में भी गोलमोल बातें कर रही हैं। कांग्रेस के 99 सांसद होने के बावजूद भी संसद में सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को निष्प्रभावी बनाने के लिए कोई आवाज नहीं उठाई गई जबकि कांग्रेस ने संविधान व आरक्षण को बचाने के नाम पर ही चुनाव में सीटें जीती हैं।वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आरक्षण के मुद्दे को लेकर बीजेपी पर बड़ा आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि बीजेपी आरक्षण खत्म करने का इरादा रखती है। उन्हें क्रीमी लेयर का फैसला संसद में निरस्त करना चाहिए था।

ओडिशा में बांग्लादेशियों की घुसपैठ नहीं, तटरक्षक बल और पुलिस रख रही नजर:हरिचंदन

भुवनेश्वर, ।

ओडिशा के कानून मंत्री पृथ्वीराज हरिचंदन ने बांग्लादेश में फैली अशांति के बाद समुद्री मार्ग से तटीय राज्य में बांग्लादेशियों के प्रवेश की कोई रिपोर्ट नहीं है। उन्होंने कहा कि ओडिशा में अवैध रूप से रह रहे बांग्लादेशियों की पहचान की जाएगी और उन्हें वापस उनके देश भेजा जाएगा।

पुलिस ने बताया कि भारतीय नौसेना, तटरक्षक बल और ओडिशा मरीन पुलिस समुद्र तट पर त्रिस्तरीय सुरक्षा कर रही है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बीच समुद्री मार्ग से बांग्लादेश से घुसपैठ की संभावना पर हरिचंदन ने कहा कि सीएम मोहन चरण माझी ने तटरक्षक बल और समुद्री पुलिस को ऐसे प्रयासों को रोकने के लिए समुद्र तट पर गश्त करने का निर्देश दिया है। कानून मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश में हाल की घटनाओं के बाद ऐसी कोई रिपोर्ट नहीं आई है। उन्होंने कहा कि कुछ बांग्लादेशी लंबे समय से ओडिशा में रह रहे हैं। राज्य सरकार उनके बीजा और वर्क परमिट जैसे दस्तावेजों या राज्य में रहने के किसी अन्य वैध कारण का सत्यापन करेगी। सत्यापन के बाद अवैध घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजा जाएगा।

ओडिशा पुलिस ने कहा कि राज्य की 480 किलोमीटर लंबी तटरेखा तीन स्तरीय सुरक्षा जांच के दायरे में है। पहले पांच समुद्री मील की सुरक्षा ओडिशा की समुद्री पुलिस द्वारा की जा रही है, जबकि पांच समुद्री मील और तट से 80 किलोमीटर दूर देश की समुद्री सीमा के बीच के जल क्षेत्र का प्रबंधन तटरक्षक बल कर रहा है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, भारतीय नौसेना अंतरराष्ट्रीय जल क्षेत्र में निगरानी कर रही है।

संक्षिप्त समाचार

इजरायल से बदला लेना नहीं आसान, मोसाद को लेकर आपस में ही बंट गया ईरान

तेहरान, एजेंसी। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और शक्तिशाली इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुछ कट्टरपंथियों के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। इस घटना ने तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या पर ईरान की प्रतिक्रिया के भविष्य को अधर में लटका दिया है। द टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकार इस बात पर एकमत नहीं है कि हत्या के बाद इजरायल के खिलाफ कैसे जवाबी कार्रवाई की जाए। आईआरजीसी कथित तौर पर तेल अवीव और अन्य प्रमुख इजरायली शहरों पर सीधे और गंभीर मिसाइल हमले की वकालत कर रहा है। हालांकि, राष्ट्रपति पेजेशकियन इस आक्रामक रणनीति के विरोध कर रहे हैं। पेजेशकियन इजरायल के बाहर स्थित मोसाद के ठिकानों पर हमले की पैरवी कर रहे हैं। वह अज़रबैजान और कुर्दिस्तान में उनके ठिकानों पर हमला करना चाहते हैं। पेजेशकियन का तर्क है कि इससे इजरायल के साथ सीधी लड़ाई का जोखिम कम हो जाएगा। पेजेशकियन के एक करीबी सहयोगी ने द टेलीग्राफ को बताया, पेजेशकियन को डर है कि इजरायल पर किसी भी सीधे हमले के गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने अजरबैजान और इराकी कुर्दिस्तान को उनकी सीमाओं के भीतर इजरायली ठिकानों पर किसी भी हमले से पहले सूचित करने का सुझाव दिया है। आईआरजीसी के एक अधिकारी ने द टेलीग्राफ को बताया कि उनका संगठन राष्ट्रपति के अधिक संयमित दृष्टिकोण को काफी हद तक खारिज करता है। द टेलीग्राफ ने अधिकारी के हवाले से कहा, सबसे बड़ी चिंता अभी भी हिजबुल्लाह और अन्य लोगों के साथ मिलकर तेल अवीव पर हमला करना है। आईआरजीसी के कुलीन कुद्स फोर्स के कमांडर इस्माइल कानी ने भी तत्काल और निर्णायक जवाबी कार्रवाई के लिए मजबूत समर्थन व्यक्त किया है।

यूक्रेन के डोनेट्स्क में शॉपिंग मॉल पर रूसी हमले में 4 की मौत, 24 घायल

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि शुक्रवार को डोनेट्स्क क्षेत्र में एक शॉपिंग मॉल पर रूसी हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने बताया कि ज़ेलेंस्की ने टेलीग्राम पोस्ट में लिखा कि कोरस्तेतिनिका शहर में घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है। लोकल गवर्नर वादिम फिलाशकिन ने कहा कि रूसी सेना ने बैरल आर्टिलरी से मॉल पर हमला किया। फिलाशकिन ने कहा कि पुलिस, बचाव दल और चिकित्साकर्मी हमले के स्थल पर काम कर रहे हैं। इससे पहले यूक्रेनी सेना ने गुरुवार रात रूसी हमले में शामिल सभी 27 लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया था। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पूर्वी यूक्रेन के सात क्षेत्रों में शाहेद-136 और शाहेद-131 ड्रोनों को गिराया गया। वायु रक्षा प्रणाली कीव क्षेत्र में काम कर रही थी, लेकिन क्षेत्र में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। साथ ही इससे किसी तरह की क्षति नहीं हुई। क्षेत्रीय गवर्नर सर्जी लिसाक ने कहा कि मध्य निप्रोपेट्रोस क्षेत्र में दो ड्रोन नष्ट कर दिए गए। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से बयान आया था कि यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसे रूसी सेना ने नाकाम कर दिया। मंत्रालय ने कहा था, रूसी सेना ने यूक्रेनी सेना के हमले को रोकने के लिए अपनी सीमा रक्षा इकाइयों को तैनात किया, और हवाई हमले, मिसाइल हमले तथा तोपखाने की मदद से यूक्रेनी सेना को आगे बढ़ने से रोका। शिन्हुआ की रिपोर्ट में कहा गया है कि कुर्स्क में ज्यादा अंदर तक घुसने की अलग-अलग इकाइयों की कोशिशों को विफल कर दिया गया, और सुमी क्षेत्र में यूक्रेनी रिजर्व बलों के खिलाफ हवाई हमले किए गए।

मालदीव दौरे पर विदेश मंत्री एस जयशंकर, मूसा जमीर के साथ की सुरक्षा-व्यापार सहयोग पर चर्चा

माले, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर शुक्रवार शाम तीन दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर मालदीव पहुंचे। यहां मालदीव के विदेश मंत्री जमीर ने वेलाना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। माले में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने समकक्ष मूसा जमीर के साथ सुरक्षा, व्यापार और डिजिटल सहयोग पर चर्चा की। दोनों नेताओं ने संयुक्त रूप से स्ट्रीट लाइटिंग, मानसिक स्वास्थ्य, बच्चों की स्पीच थेरेपी और विशेष शिक्षा के क्षेत्रों में छह परियोजनाओं का उद्घाटन किया। विदेश मंत्री जयशंकर ने शुक्रवार देर रात एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज माले में विदेश मंत्री मूसा जमीर के साथ सार्थक चर्चा हुई। इस एजेंडे में विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण, द्विपक्षीय और क्षेत्रीय सुरक्षा, व्यापार और डिजिटल सहयोग में हमारी भागीदारी शामिल थी। उन्होंने बताया कि मालदीव में डिजिटल भुगतान प्रणाली शुरू करने के लिए भारत के राष्ट्रीय भुगतान निगम और मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्रालय के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए। अतिरिक्त 1000 सिविल सेवा अधिकारियों के प्रशिक्षण पर राष्ट्रीय सुशासन केंद्र और सिविल सेवा आयोग के बीच समझौता ज्ञापन के नवीनीकरण का स्वागत किया। विदेश मंत्री ने अपने आगमन के बाद एक्स पर एक पोस्ट में कहा, मालदीव पहुंचकर खुशी हुई। हवाई अड्डे पर मेरा स्वागत करने के लिए विदेश मंत्री मूसा जमीर का धन्यवाद।

गाजा में नमाज पढ़ रहे फिलिस्तीनियों पर इजरायल का हमला, 100 से अधिक लोगों की मौत

गाजा, एजेंसी। गाजा पर इजरायली हमला अभी भी जारी है। फिलिस्तीनी समाचार एजेंसी डब्ल्यूएएफए के हवाले से रॉयटर्स ने बताया कि पूर्वी गाजा में विस्थापित लोगों के आवास वाले एक स्कूल को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हमले में 100 से अधिक लोग मारे गए और दर्जनों अन्य घायल हो गए। यह हमला उस समय हुआ जब लोग नमाज़ अदा कर रहे थे।

हमास ने एक बयान में कहा, इजरायली हमलों ने फज्र की नमाज़ अदा करते समय विस्थापित लोगों को निशाना बनाया। इसके कारण हताहतों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई। आपको बता दें कि पिछले हफ्ते गाजा में चार स्कूलों पर हमला किए जाने के बाद ये किए गए हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में दावा- नमाज पढ़ने के दौरान हुआ हमला : गाजा सिटी के अल- सहाबा इलाके के अल-तबैइन स्कूल को निशाना बनाया गया। गाजा के सरकारी मीडिया के अनुसार, इस्राइली हवाई हमले में शरणार्थियों को निशाना बनाया गया, जब लोग फज्र की नमाज पढ़ रहे थे। शुरुआत में कहा गया कि हमले में 40 लोग मारे गए और दर्जनों लोग घायल हुए। हालांकि बाद में मृतकों का आंकड़ा 100 के पार चला गया। इस्राइली सेना ने बयान जारी कर कहा है कि उन्होंने हमास आतंकियों के एक कमांड सेंटर को निशाना बनाया है। इस्राइली सेना ने कहा कि आतंकी आम नागरिकों को ढाल की तरह इस्तेमाल कर रहे थे। गौरतलब है कि बीते दिनों में इस्राइल ने गाजा और हमास नेताओं पर ताबड़तोड़ हमले किए हैं। कुछ दिनों पहले गोलन हाइट्स स्थित इस्राइल के कब्जे वाले इलाके में हिजबुल्ला के रॉकेट हमले में 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर को बेरूत में ढेर कर दिया था। इसके 24 घंटे बाद ही ईरान की राजधानी तेहरान में हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की भी हत्या कर दी गई थी। इसका भी आरोप इस्राइल पर लगा। हानिया की हत्या के बाद ईरान और इस्राइल के बीच तनाव बढ़ गया और ईरान ने इस्राइल पर हमले की धमकी दी है।

ताजा हमले से बढ़ सकता है पश्चिम एशिया का तनाव : हिजबुल्ला ने भी इस्राइल के खिलाफ हमले की धमकी दी है। अमेरिका ने भी इस्राइल की मदद के लिए पश्चिम एशिया में अपने युद्धपोत और लड़ाकू विमान की स्कवॉड्रन भेज दी है। इसी बीच अब गाजा में इस्राइली हमले में 100 से ज्यादा लोगों की मौत से यह तनाव और भड़क सकता है। इससे पहले 4 अगस्त को गाजा शहर में विस्थापित लोगों के लिए आश्रय के रूप में काम करने वाले दो स्कूलों पर इजरायली हमला हुआ, जिसमें 30 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए। वहीं, गाजा शहर के हमामा स्कूल पर एक हमले में 17 लोग मारे गए। एक अगस्त को दलाल अल-मुगराबी स्कूल पर इजरायली हमले में 15 लोग मारे गए। आपको बता दें कि पिछले अक्टूबर में फिलिस्तीनी संगठन के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य हमला शुरू करने के बाद से इजरायल गाजा में स्कूलों सहित इमारतों पर हमले कर रहा है। इजरायल का दावा है कि परिसर के अंदर आतंकवादी हैं जो हमास कमांड कंट्रोल सेंटर से काम कर रहे हैं। पिछले साल 7 अक्टूबर को हमास द्वारा इजरायल पर घातक हमला करने के बाद शुरू हुए 10 महीने लंबे युद्ध में गाजा में 40,000 से अधिक फिलिस्तीनी मारे गए हैं। युद्ध से तबाह तटीय फिलिस्तीनी क्षेत्र में युद्ध विराम के लिए कई दौर की बातचीत हो चुकी है, लेकिन अभी तक कोई सफलता नहीं मिली है।

संयुक्त राष्ट्र का बयान: हम नस्ली आधार पर होने वाले हमले और हिंसा भड़काने के खिलाफ

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हुए हमलों के बीच संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने नस्ली आधार पर होने वाली किसी भी हिंसा या हमले के खिलाफ अपने विचार व्यक्त किए हैं। महासचिव के उप प्रवक्ता फरहान हक ने बृहस्पतिवार को कहा कि संयुक्त राष्ट्र यह सुनिश्चित करना चाहता है कि बांग्लादेश में हाल के दिनों में हुई हिंसा पर नियंत्रण पाया जाए। हम नस्लीय आधार पर किसी भी तरह के हमले या हिंसा भड़काने के खिलाफ हैं।

बांग्लादेश में हाल की हिंसा के दौरान कई हिंदू मंदिरों, घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को नुकसान पहुंचाया गया है और दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई है। यह हिंसा तब शुरू हुई जब प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस्तीफा दिया और देश छोड़कर भारत चली गईं। संयुक्त राष्ट्र के उप प्रवक्ता फरहान हक ने कहा कि नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ दिलाए जाने की प्रक्रिया पर संयुक्त राष्ट्र की आशा है। हम शांति बहाली के किसी भी संकेत को सकारात्मक मानते हैं। जब हक से पूछा गया कि क्या महासचिव गुतारेस ने यूनुस को बधाई दी है या उनसे फोन पर बात की है, तो उन्होंने कहा कि गुतारेस ने यूनुस से संपर्क नहीं किया है। हालांकि, बांग्लादेश में संयुक्त राष्ट्र की स्थानीय समन्वयक ग्विन लुईस शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुई थीं। संयुक्त राष्ट्र की टीम सक्रिय रूप से यह सुनिश्चित कर रही है कि जमीन पर शांति बहाल हो। अंत में हक ने कहा कि बांग्लादेश में हुई हत्याओं की जांच में शामिल होने के लिए संयुक्त राष्ट्र ने जो अनुरोध किया है।

डोनाल्ड ट्रंप की फ्लाइट में आई तकनीकी खराबी, इमरजेंसी लैंडिंग से बाल-बाल बचे पूर्व राष्ट्रपति

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एक बार फिर से एक गंभीर स्थिति से बाल-बाल बच गए हैं। शनिवार सुबह, जब ट्रंप चुनावी रैली के लिए मोंटाना जा रहे थे, तभी उनके प्राइवेट जेट में तकनीकी खराबी आ गई। इसके चलते उड़ान के दौरान पायलट को इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी, जिससे एयरपोर्ट और पुलिस अधिकारियों के बीच हड़कंप मच गया।

घटना बिलिंग्स लोगान इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुई। उड़ान के दौरान अचानक प्लेन में एक झटका महसूस किया गया। रू मेंबर्स ने जांच की तो पता चला कि इंजन में तकनीकी खराबी आई है। पायलट ने तत्परता दिखाते हुए नजदीकी एयरपोर्ट पर इमरजेंसी लैंडिंग करवाई और क्षेत्र अधिकारियों से अनुमति प्राप्त की। लैंडिंग के बाद, एयरपोर्ट स्टाफ और रेस्क्यू टीम ने पूर्व राष्ट्रपति को सुरक्षित रूप से प्लेन से उतारकर एक सुरक्षित क्षेत्र में पहुंचाया। जेनी मॉकल, बिलिंग्स लोगान इंटरनेशनल एयरपोर्ट की अधिकारी ने बताया कि प्लेन में आई तकनीकी खराबी की वजह से इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति की जान को कोई खतरा नहीं है और वे अब सड़क मार्ग से मोंटाना के लिए रवाना हो चुके हैं। उनके प्लेन की तकनीकी खराबी को ठीक करने के प्रयास जारी हैं। यदि विमान की मरम्मत सफल होती है।

बांग्लादेश में भय की स्थिति में रह रहे हैं अल्पसंख्यक

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश हिंदू-बौद्ध-ईसाई ओइक्या परिषद ने शुक्रवार को कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के 5 अगस्त को इस्तीफे के बाद से बांग्लादेश के 52 जिलों में अल्पसंख्यक समुदायों के उत्पीड़न की 205 घटनाएं सामने आई हैं। इन घटनाओं की संख्या रिपोर्ट की गई संख्या से कहीं अधिक होने की आशंका है। यह नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में बनी देश की अंतरिम सरकार के लिए एक बड़ी चुनौती है।

यूनिटी काउंसिल के अध्यक्ष निर्मल रोसारियो ने द डेली स्टार के हवाले से कहा, हम सुरक्षा चाहते हैं क्योंकि हमारा जीवन विनाशकारी स्थिति में है। हम रात में जागकर अपने घरों और धार्मिक स्थलों की रखवाली कर रहे हैं। मैंने अपने जीवन में ऐसी घटनाएं कभी नहीं देखी हैं। हम मांग करते हैं कि सरकार देश में सांप्रदायिक सद्भाव बहाल करे। बांग्लादेशी अखबार ने विस्तार से बताया कि यूनुस को एक खुला पत्र भेजा गया है। इसमें ओइक्या परिषद ने अल्पसंख्यकों के खिलाफ एक विशेष समूह की अभूतपूर्व हिंसा पर गहरा दुख और चिंता व्यक्त की है।

पत्र पर ओइक्या परिषद के महासचिव राणा दासगुप्ता और बांग्लादेश पूजा उडजापान परिषद के अध्यक्ष बासुदेव धर ने हस्ताक्षर किए हैं, जिन्होंने मौजूदा स्थिति को तत्काल समाप्त करने की मांग की है। इसमें उल्लेख किया गया है कि शेख हसीना के ढाका से जाने के तुरंत बाद शुरू सांप्रदायिक हिंसा ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के बीच व्यापक भय, चिंता और अनिश्चितता पैदा कर दी है।

अखबार ने बताया, संगठन के विवरण और मीडिया रिपोर्ट के अनुसार हजारों हिंदू परिवार बेसहारा हो गए हैं और कई मंदिरों पर हमला किया गया है और उन्हें आग के हवाले कर दिया गया है। कई अन्य हमलों में कई जगहों पर हत्याएं हुई हैं। इस दौरान अन्य अल्पसंख्यकों को भी नुकसान उठाना पड़ा है। डेली स्टार की रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि अंतरिम सरकार को गुरुवार को अपने शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कुरान के अलावा अन्य धार्मिक ग्रंथों को शामिल न करने के लिए आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। अखबार ने परिषद के प्रेसीडियम सदस्य काजल देवनाथ के हवाले से कहा, अन्य धार्मिक ग्रंथों के पाठ को शामिल न करना हमारे संविधान, मुक्ति संग्राम की भावना और भेदभाव विरोधी मूल्यों के विपरीत है। हमें उम्मीद है कि भविष्य के राजकीय समारोहों में सभी प्रमुख धार्मिक ग्रंथों के पाठ को शामिल किया जाएगा। देवनाथ ने कहा कि उन्हें खुद सोमवार से एक दोस्त के घर पर रहने के लिए मजबूर होना पड़ा है। एक अन्य सदस्य ने कहा, हमने अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न को समाप्त करने के बारे में बहुत सी बातें सुनी हैं, लेकिन हमने कोई प्रभावी उपाय नहीं देखा है। हमारी राष्ट्रीय विरासत और संपत्ति नष्ट की जा रही है, जो हमें अस्वीकार्य है।

बुल्गारिया के राष्ट्रपति ने गोरित्सा ग्रानचारोवा-कोझारेवा को नियुक्त किया नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री

सोफिया, एजेंसी। बुल्गारिया के राष्ट्रपति रुमेन रादेव ने शुक्रवार को गोरित्सा ग्रांचरोवा-कोझारेवा को नया कार्यवाहक प्रधानमंत्री नामित किया और उन्हें कार्यवाहक सरकार का प्रस्ताव देने का काम सौंपा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि संविधान में कार्यवाहक प्रधानमंत्री द्वारा मंत्रिमंडल की सूची प्रस्तुत करने के लिए कोई समय-सीमा निर्दिष्ट नहीं की गई है। लेकिन राष्ट्रपति ने 19 अगस्त तक ऐसा करने का अनुरोध किया है। ताजा हालात और गुरुवार को राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श के बाद नए संसदीय चुनावों के लिए 20 अक्टूबर को सबसे उपयुक्त माना जा रहा है। रादेव ने कोझारेवा से कहा, इस संबंध में, आपको 19 अगस्त से पहले कार्यवाहक सरकार की संरचना का प्रस्ताव देना चाहिए, ताकि हम कानूनी आवश्यकताओं को पूरा कर सकें।

कोझारेवा की कैबिनेट दिमितार ग्लेचचेव के नेतृत्व वाली मौजूदा कार्यवाहक सरकार की जगह लेगी, जिन्हें 5 मार्च को प्रधानमंत्री निकोलाई डेनकोव के इस्तीफे के बाद 9 अप्रैल को नियुक्त किया

गया था। 9 जून को हुए चुनावों के बाद संसद नियमित कैबिनेट बनाने में विफल रही थी।

ब्लेगोरियाई राष्ट्रीय लेखा परीक्षा कार्यालय (बीएनओ) के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके ग्लेचचेव को पिछले साल दिसंबर में पारित संवैधानिक संशोधनों द्वारा परिभाषित पात्र उम्मीदवारों के पूल से चुना गया था। ये संशोधन यह निर्धारित करते हैं कि कार्यवाहक प्रधानमंत्री को नेशनल असेंबली के स्पीकर, ब्लेगोरियाई नेशनल बैंक के गवर्नर या डिप्टी गवर्नर, बीएनओ के अध्यक्ष या उपाध्यक्ष, या लोकपाल या उप लोकपाल में से चुना जाना चाहिए।

रादेव ने कहा कि पिछले महीनों में ग्लेचचेव की सरकार के राजनीतिक उपयोग के संदेह के कारण तनाव बढ़ गया है। रादेव ने कहा, मैंने हमेशा माना है कि कार्यवाहक सरकारें तनावपूर्ण राजनीतिक स्थिति को शांत करने के लिए होती हैं। रादेव ने नियुक्ति के दौरान कहा, प्रिय कोझारेवा, इस स्थिति में आप ही एकमात्र संभावित विकल्प हैं।

नए कार्यवाहक प्रधानमंत्री कोझारेवा स्विश्टोव में 'डीए त्सेनोव एकेडमी ऑफ इकोनॉमिक्स से अकाउंटिंग और कंट्रोल में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्हें बैंकिंग और वित्त में व्यापक अनुभव है। 2015 में उप प्रमुख चुने जाने से पहले उन्होंने बीएनओ के भीतर विभिन्न उच्च-रैंकिंग पदों पर कार्य किया था। अप्रैल में जब ग्लेचचेव को कार्यवाहक प्रधान मंत्री नियुक्त किया गया, तब वे बीएनओ की कार्यवाहक प्रमुख बनीं। कोझारेवा ने नियुक्ति के बाद एक कैबिनेट बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की है इसके बाद एक नियमित सरकार की स्थापना होने तक राज्य के सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करेंगी।

ताइवान की हवाई सीमा में दाखिल हुए चीन के 22 लड़ाकू विमान, जल क्षेत्र पर भी ड्रैगन की नजर

बीजिंग, एजेंसी। चीन और ताइवान के बीच जमीन को लेकर जंग जारी है। चीन लगातार ताइवान के क्षेत्र को अपना बताता आया है और किसी भी हाल में वहां कब्जा करना चाहता है। इस बीच ताइवान के रक्षा मंत्रालय का कहना है कि चीन ने एक बार फिर से उसके क्षेत्र में घुसपैठ की है। बताया गया है कि ताइवान की हवाई सीमा के आस पास चीन के 28 लड़ाकू विमान देखे गए हुए। इनमें से 22 लड़ाकू विमान ताइवान के वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में दाखिल हुए। इसके अलावा ताइवान के जल क्षेत्र में चीन के 10 नौसैनिक जहाज देखे गए। साथ ही बताया गया है कि शुक्रवार सुबह छह बजे से लेकर शनिवार सुबह छह बजे ताइवान में चीन की घुसपैठ देखी गई।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने क्या कहा : ताइवान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के 22 लड़ाकू विमान हवाई के जलडमरूमध्य को पार कर दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम वायु रक्षा पहचान क्षेत्र में दाखिल हुए। यह भी कहा गया है कि स्थिति को भांपते हुए चीन को इसका जवाब भी दिया गया। चीन की सेना के जवाब में, ताइवान ने भी तटीय क्षेत्र में अपने लड़ाकू विमानों, नौसैनिक जहाजों और मिसाइल सिस्टम को तैनात किया। सोशल मीडिया मंच एक्स पर ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा, 'आज सुबह छह बजे चीन की पीएलए 28 लड़ाकू

विमान और करीब 10 नौसैनिक जहाज भीताइवान की सीमा पर देखे गए। इनमें से 22 लड़ाकू विमान मध्य रेखा को पार कर ताइवान के दक्षिण-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम में दाखिल हुए। इसलिए, हमने स्थिति को भांपते हुए इसका जवाब दिया।'

ताइवान को लगातार उकसा रहा है चीन : बीते कुछ महीनों में यह देखने को मिल रहा है कि चीन द्वारा लगातार ताइवान को उकसाया जा रहा है। चीन के ताइवान के चारों और अपनी सैन्य गतिविधियों को बढ़ाया है। ताइवान के हवाई और समुद्री जल क्षेत्र के आसपास चीन की घुसपैठ भी बढ़ती जा रही है। इससे पहले शुक्रवार को ही ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने बताया था कि पीएलएन के 18 लड़ाकू विमान और नौ नौसैनिक विमान ताइवान की सीमा के आसपास देखे गए थे।

बांग्लादेश में हमलों के खिलाफ हजारों हिंदुओं का प्रदर्शन

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में हसीना के इस्तीफे के बाद से हिंसा, लूटपाट और आगजनी की घटनाएं बढ़ गई हैं। इनके खिलाफ शुक्रवार को हिंदू जागरण मंच ने ढाका में प्रदर्शन किया। बांग्ला अखबार ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक शाहबाग चौक पर हजारों हिंदू जमा हुए और हिंसा के खिलाफ आवाज उठाई। उन्होंने हरे कृष्णा-हरे रामा का नारा भी लगाया। हिंदू जागरण मंच के आयोजकों ने कहा कि दिनाजपुर में चार हिंदू गांवों को जला दिया गया है। लोग बेसहारा हो गए हैं। छुप-छुपकर रहने को मजबूर हैं। बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से ही हिंदू समुदाय पर हमले बढ़ गए हैं।

हमलों को रोकने के लिए कड़े कानून की मांग : प्रदर्शन के दौरान हिंदू समुदाय ने अल्पसंख्यक मंत्रालय की स्थापना, अल्पसंख्यक संरक्षण आयोग का गठन, अल्पसंख्यकों के खिलाफ हमलों को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने और संसद में अल्पसंख्यकों के लिए 10 फीसदी सीटें रखने की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने हिंसा से प्रभावित लोगों के लिए मुआवजा भी मांगा। इसके अलावा तोड़े गए मंदिरों को फिर से बनाने की भी मांग की। प्रदर्शनकारियों ने कहा कि वे इस देश में पैदा हुए हैं। यह उनके पूर्वजों की जमीन है। यह देश उनका भी उतना ही है। वे भले ही यहां मार दिए जाएं, फिर भी अपना जन्मस्थान बांग्लादेश नहीं छोड़ेंगे। अपना अधिकार पाने के लिए सड़कों पर रहेंगे।

अवामी लीग ने भी चिंता जताई : बांग्लादेश में हिंसा के बाद से ही हजारों बांग्लादेशी हिंदू भारत आने के लिए सीमा पर पहुंचे हुए हैं। उन्हें समझा-बुझाकर वापस भेजा जा रहा है। हिंदू नागरिकों के खिलाफ हिंसा को

लेकर शेख हसीना की अवामी लीग ने भी चिंता जताई है। पार्टी ने सोशल मीडिया पर लिखा है कि बांग्लादेश में 5 अगस्त से ही हिंदू अपने साथियों, संपत्तियों और मंदिरों पर हमलों के विरोध में प्रदर्शन कर रहे हैं। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के खिलाफ जारी हिंसा के बीच संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता ने कहा कि वह नस्लीय आधार पर किसी भी हमले या हिंसा के खिलाफ हैं। उन्होंने हिंसा को खत्म करने की अपील की। 52 जिलों में हिंदुओं पर हमले हुए, मोहम्मद यूनुस से मांगी सुरक्षा बांग्लादेश की आबादी 17 करोड़ है, जिसमें हिंदू करीब 7.95प्रतिशत (1.35 करोड़) हैं। बांग्लादेश में हिंदू दूसरा सबसे बड़ा धर्म है। देश के 64 में से 61 जिले में हिंदुओं की बड़ी आबादी रहती है।

शिवजी का डमरू और तीनों लोक

हृदयनारायण दीक्षित

हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। लेकिन बहुदेववादी नहीं। बहुदेव उपासना हमारा स्वभाव है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी।

भारत में सावन का महीना शिव उपासना का जलरस भरा मुहूर्त है। शिव सोम प्रेमी हैं। सोम प्रकृति की सृजन शक्ति है। सृजन की यही शक्ति शिव ललाट की दीप्ति है। शिव के माथे पर सोम चन्द्र हैं। ऋग्वेद के ऋषियों के दुलारे सोम वनस्पतियों के राजा हैं। सोम प्रसन्न होते हैं। वनस्पतियां-औषधियां उगती हैं। खिलती हैं। खिलखिलाती हैं। भारतीय सप्ताह में एक दिन सोम का। पहला दिन रविवार रवि का तो दूसरा दिन सोमवार सोम का। शिवभक्तों को सोमवार प्रीतिकर है। शिव भी सोमवार का दिन भक्तों के लिए ही खाली रखते होंगे। काशी बहुत जाता हूं। काशी मंदिर में शिव उपासना की मूर्ति है। शिव दर्शन कई बार हुआ। मैंने समूची वाराणसी को सोम शिव पाया। हर-हर महादेव की गूंज व लोक उल्लास।

शिव भोले शंकर हैं। औघड़दानी हैं। गण समूहों के मित्र हैं। गणों के साथ स्वयं भी नृत्य करते हैं। वे रूद्र शिव एशिया के बड़े भूभाग में प्राचीन काल से ही उपासित हैं। शिव गूढ़ रहस्य हैं। युधिष्ठिर के मन में शिव जिज्ञासा थी। शर शैय्या पर लेटे भीष्म से उन्होंने तमाम प्रश्न पूछे थे। वे भीष्म से शिव गुण भी सुनना चाहते थे। भीष्म ने कहा, ह्वशिवगुणों का वर्णन करने में मैं असमर्थ हूं। वे सर्वत्र व्यापक हैं। वे प्रकृति से परे और पुरुष से विलक्षण हैं। श्रीकृष्ण के अलावा उनका तत्व दूसरा कोई नहीं जानता।ह्व फिर अर्जुन से कहा, ह्वरूद्र भक्ति के कारण ही श्रीकृष्ण ने जगत को व्याप्त किया है।ह्व यहां श्रीकृष्ण के विराट का कारण भी शिव तत्व का बोध है। मैं भारत के मन के साथ मन मिलाते हुए महादेव को नमस्कार करता हूं।

ऋग्वेद वाले रूद्र शिव ह्वसुगंधिं पुष्टिवर्द्धनंह्व हैं। देवों को पुष्पार्चन किया जाता है लेकिन शिव को बेलपत्र और धतूरे का फल। शिव मस्त मस्त बिंदास देवता हैं। परम योगी। चरमोत्कर्ष वाले नृत्यकर्ता। श्रीकृष्ण की बांसुरी की धुन पर तीनों लोक मोहित हुए थे तो शिव के डमरू की धुन पर तीनों लोक अस्तित्व में रहते हैं। शिव जब चाहते हैं, रूद्र हो जाते हैं। प्रलयंकर हो जाते हैं लेकिन यही रूद्र शिव भी हैं। शिव महाकाल हैं। ऋग्वेद में ह्वजो रूद्र है, वही शिव भी हैह्व त्रिशूल उनका हथियार। ये तीन शूल क्या हैं? ये दैविक, दैहिक और भौतिक कष्ट तो नहीं हैं? या भौतिक, आधिभौतिक और आध्यात्मिक वेदनाएं हैं। शिव दुख हारी हैं-त्रिशूल धारक जो हैं। लेकिन सोचने से मन नहीं भरता। मन यहां, वहां, जहां, तहां भागता ही है। मैं मन ही मन यजुर्वेद के शिव संकल्प मंत्र दोहराता हूं-'हमारा मन भागता है। यहां वहां। ऐसा हमारा मन शिव संकल्प से भरापूरा हो-तन्मे मनः शिव संकल्पं अस्तु।' मैं राजनीति में हूं सो मंच, माला, माइक का त्रिशूल भीतर तक धंसा हुआ है। सोम सामने है, भीतर ओम है। लेकिन सोम से वंचित हूं। ओम् की अनुभूति नहीं। करूं तो क्या करूं? ऋग्वेद के ऋषि वशिष्ठ ने आर्तभाव से पुकारा था त्र्यम्बक रूद्र को-हमें पकी ककड़ी की तरह मृत्यु बंधन से मुक्त करो। मैं स्वयं भी डंठल से चिपका हुआ पका फल हूं।

संसार क्षर से क्षर की यात्रा है। अन्तर्यात्रा स्थूल से सूक्ष्म की यात्रा है। पत्ती, पुष्प से पेड़ और पेड़ से जड़ की यात्रा सुगम है। जड़ें देखते ही बीज का ध्यान आता है। बीज के भीतर अनंत संभावनाएं हैं। पेड़, शाखा, पत्तियां और फूल। फिर-फिर बीज। ओम प्राण शक्ति है और सोम बीज का पल्लवन पुष्पन। ऋग्वेद के सोम कम लोगों को याद हैं लेकिन सोमवार हर सातवें दिन उन्हीं की स्मृति दिलाता है। सोम से ओम् की यात्रा शिव है। यहां कोई भौगोलिक दूरी नहीं। सोम और ओम साथ-साथ हैं। सोम शिव के ललाट पर हैं ही। शिव रूपक का सोम प्रतीक बड़ा प्यारा है। ऋग्वेद में सोम को पृथ्वी का निवासी बताया गया है। सोम असाधारण देवता हैं। आनंददाता भी हैं।

सत्य, शिव और सुंदर की त्रयी आकर्षक है। इस त्रयी में सत्य महत्वपूर्ण है लेकिन सत्य को शिव भी होना चाहिए। सत्य और शिव का एकात्म सुंदर होता है। शिव में तीनों हैं। शिव और लोकमंगल पर्यायवाची हैं। लेकिन यह ऊर्जा सहज प्राप्य नहीं है। शिव के प्रति लोक आस्था विस्मयकारी है। कांवड़िये लम्बी पदयात्रा करते हैं। शिव प्राप्ति के प्रयास जरूरी हैं। पार्वती को भी शिव प्राप्ति के लिए महातप करना पड़ा था। कालिदास के 'कुमार संभव' में तपरत पार्वती को एक ब्रह्मचारी ने भड़काया 'पार्वती! आप भी किस प्रेम में फंस गई। आपका सुंदर हांथ सांप लिपटे शंकर को कैसे छुएगा। कहां हंस छपी चूनर ओढ़े आप? और कहां खाल ओढ़े शंकर?' शिव शंकर के रूप-कुरूप पर उसने बहुत कुछ कहा। पार्वती ने कहा, ह्वसंसार के सारे रूप शिव के ही हैं-विश्वकूतेर्खाधार्यते वपु।' शिव ही सभी रूपों में रूप रूप प्रतिरूप हैं। कालिदास के कथानक में तब शिव ने अपना रूप प्रकट कर दिया। शिव बोले, 'अब मैं तुम्हारा दास हूं, पार्वती-तवस्मि दासः।' मन करता है कि पूंछू शिव से-महादेव! इतना कठोर तप क्यों कराते हैं? लेकिन शिव तप का पुरूस्कार भी तो देते हैं। तप प्रभाव में वे स्वयं भक्त के भी भक्त बन जाते हैं।

पौराणिक शिव बड़े आकर्षक हैं। बैल की सवारी और पार्वती से बतरस। 'विज्ञान भैरवतंत्र' में शिव और पार्वती के मध्य गहन दार्शनिक संवाद का उल्लेख है। कालिदास ने शिव बरात का मनोरम शब्द चित्र खींचा है। बताया है कि शिव बरात नगर पहुंची। स्त्रियां अपना कामधाम छोड़कर छतों की ओर भागी। एक की जूड़े की माला टूट गई। एक ने दायीं आंख में ही काजल लगाया था, वह बायीं आंख का काजल लगाना छोड़ भाग चली। पार्वती-शिव जगत के माता -पिता हैं। विवाह के बाद देवों ने शुभकामनाएं दीं।

भारतीय साहित्य शिव-पार्वती के सम्वाद से भरापूरा है। पार्वती प्रश्नाकुल हैं और शिव समाधानकत्र्ता। तुलसीदास के रामचरित मानस में पार्वती ने सीधे राम के अस्तित्व पर ही पूंछा। शिव ने ब्रह्म तत्व समझाया लेकिन पार्वती ने स्वयं परीक्षा ली। यह भी उचित था। अनुभव करना सुनने से ज्यादा श्रेष्ठ है। लेकिन शिव सब जानते थे। वे सर्वत्र उपस्थित हैं। उनके कण्ठ में विष है। वे नीलकंठ हैं। गले में सांप भी हैं लेकिन चन्द्रमा शिव का प्रिय आभूषण है। शरद्चन्द्र की पूनो शिव रस सोम की ही वर्षा करती है। सोम और चन्द्र पर्यायवाची हैं। शिव ने सनत कुमारों को बताया कि उनके तीन नेत्र हैं। सूर्य दांया नेत्र है और बांया चन्द्रमा। अग्नि मध्य नेत्र हैं।

हम भारतवासी बहुदेव उपासक हैं। लेकिन बहुदेववादी नहीं। बहुदेव उपासना हमारा स्वभाव है। शिव एशिया के बड़े भाग में प्रचलित देव हैं। शिव देव नहीं महादेव हैं। वे हजारों बरस से भारत के मन में रमते हैं। एक अकेले ही। एको रूद्र द्वितीयोनास्ति। कुछेक विद्वान रूद्र शिव को आयातित देवता मानते हैं। शिव उपासना पश्चिम एशिया व मध्य एशिया तक विस्तृत थी भी। प्रख्यात मार्क्सवादी चिन्तक डॉ. रामविलास शर्मा ने भारतीय संस्कृति और हिन्दी प्रदेश (पृष्ठ 679) में लिखा है 'वास्तव में शैवमत, वैष्णवमत, बौद्धमत इन सबके स्रोत भारत में थे। यहां से इन मतों का प्रसार मध्य एशिया और पश्चिमी एशिया में हुआ।' शिव उपासना का मूल केन्द्र भारत है। यजुर्वेद प्राचीन है। इसका 16वां अध्याय शिव की ही स्तुति है। यहां शिव कण-कण में व्याप्त चेतना हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

संपादकीय

चेतावनी को समझें

जलवायु परिवर्तन के कारण समुद्र के जल स्तर में हो रही वृद्धि के कारण 2040 मुंबई में 10 फीसद से ज्यादा भूमि व पणजी और चेन्नई में 10 फीसद तक भूमि के जलमग्न होने का खतरा वाकई चिंता की बात है। बेंगलुरू स्थिति थिंक टैंक सेंटर फॉर स्टड़ी ऑफ साइंस, टेक्नॉलाजी एंड़ पॉलसी के अध्ययन में यह दावा किया गया है। समुद्र का जल स्तर की वजह से कोच्चि, मंगलुरू, विशाखापत्तनम, उडुपी, और पुरी में 5 फीसद भूमि जलमग्न हो सकती है। समुद्र के जलस्तर में वृद्धि परिदृश्य और चुनिंदा भारतीय तटीय शहरों के लिए जलमग्नता मानचित्र इसका शीर्षक है, जिसमें देश के पंद्रह तटीय शहरों व कस्बों के जल स्तर के बदलाव का अध्ययन किया गया है। इन सभी जगहों पर सदी के अंत तक समुद्र के जल स्तर में वृद्धि जारी रहेगी, जिसमें मुंबई के लिए सबसे ज्यादा वृद्धि का अनुमान लगाया गया है। जहां अध्ययनानुसार 1987 से 2021 तक समुद्रस्तर में अधिकतम 4.440 सेमी की वृद्धि पाई गई। इससे प्रभावित क्षेत्रों जल, कृषि, वन, जैव विविधता तथा स्वास्थ भी शामिल है। खासकर कृषि भूमि व जल निकाय बढ़ते समुद्र स्तर के कारण जलमग्न होने से आम जीवन बुरी तरह प्रभावित होता है। समुद्र तट, बैकवॉटर, मैग्रोव वन जोखिम में होने के कारण पर्यटन भी सामान्य नहीं रह पाता। नासा ने कुछ समय पहले यह बताते की कोशिश की थी कि तीस सालों में समुद्री जल स्तर 10 सेमी बढ गया है। जो खतरनाक स्थिति है। लगातार बदल रहे जलवायु व तापमान का असर ग्लेसियरों पर पड़.रहा है। पहाड़ों पिघलने वाली बरफ नदियों के जरिए समुद्र में ही जाती है। दुनिया भर में समुद्री स्तर दोगुनी तेजी से बढ़ता जा रहा है। जो वैज्ञानिकों के लिए चिंता व शोध का विषय है। समुद्र इंसानों द्वारा पैदा होने वाले गर्म तापमान का 90 फीसद हिस्सा सोख लेता है। तटीय इलाकों में रहने के लोभ में समुद्र को ढ़केलने की भी कोशिशें होती हैं। खासकर मुंबई में विकास के नाम पर सुमद्र तटों को भारी नुकसान पहुंचाया जाता रहा है। इस खतरे को भांपकर सुरक्षात्मक कदम उठाने जल्द न चालू किए तो भयंकर आपदा से बचना मुश्किल हो सकता है।

चिंतन-मनन

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है।

अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्ज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्ज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है।

कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है। जो स्वास्थ्य सुरक्षित रखने की, जीवन संपदा का श्रेष्ठतम सदुपयोग करने की, लोक परलोक उत्कृष्ट बनाने की जिम्मेदारी निभाते हैं, वे ही संतोष, यश आरोग्य का लाभ प्राप्त कर सकते हैं। चौथा व अंतिम चरण है-बहादुरी। दैनिक जीवन में अनेकानेक उलझनों से निपटने के लिए उपयुक्त साहस आवश्यक है, अन्यथा हड़बड़ी में समाधान का सही उपाय नहीं सूझेगा।

जाति जनगणना: सामाजिक न्याय की ओर कदम

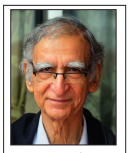

राम पुनियानी

हालिया लोकसभा आमचुनाव (मई 2024) में इंडियन गठबंधन ने जाति जनगणना के मुद्दे को अपने चुनाव अभियान में महत्वपूर्ण स्थान दिया। अन्य कारकों के अलावा, इस मुद्दे ने भी इंडिया गठबंधन के चुनाव में बेहतर प्रदर्शन में अपना योगदान दिया। हालाँकि इस गठबंधन को सरकार बनाने लायक सीटें नहीं मिल सकीं। भाजपा के गठबंधन साथी नीतीश कुमार बिहार में पहले ही जाति जनगणना करवा चुके हैं, हालाँकि इस मुद्दे को अभी उन्होंने ठंडे बस्ते में रख छोड़ा है। राहुल गाँधी ने वित्त मंत्री द्वारा प्रस्तुत केन्द्रीय बजट पर चर्चा के दौरान लोकसभा में अपने भाषण में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने काफी जोरदार और प्रभावी ढंग से जाति जनगणना की मांग उठाई। उन्होंने हलवा (सरकार से मिलने वाले लाभ) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि बजट तैयार करने वाले मुख्यतः ऊंची जातियों के हैं और बजट के लाभार्थी केवल चंद उच्च वर्ग हैं।

राहुल गाँधी के इस प्रभावी भाषण का जवाब देते हुए अनुराग ठाकुर (गोली मारो.... वाले) ने राहुल गाँधी का मखौल उड़ाते हुए कहा कि जिसे उसकी खुद की जाति नहीं मालूम, वह जाति जनगणना की मांग कर रहा है। इस मामले में राहुल गाँधी अनूठे व्यक्ति हैं - हिन्दू पिता, ईसाई मां, हिन्दू दादी और पारसी दादा। एक तरह से वे उस स्वतंत्र और खुले समाज के प्रतीक हैं, जो दकियानूसी तत्वों के अंतरजातीय और अंतर्धार्मिक शादियों के विरोध के बावजूद देश में उभरता जा रहा है। ठाकुर की टिप्पणियों को लोकसभा की कार्यवाही से हटा दिया गया मगर प्रधानमंत्री ने उनके भाषण को ट्वीट कर उसका अनुमोदन किया।

जाति जनगणना आवश्यक है। कारण यह कि आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण दशकों पहले किया गया था और तब से लेकर अब तक विभिन्न जातियों की कुल आबादी में हिस्सेदारी में काफी परिवर्तन आ चुका है। अनुराग ठाकुर और नरेन्द्र मोदी जिस विचारधारा के हैं, वह विचारधारा सकारात्मक भेदभाव की नीति अपनाकर हाशियाकृत समुदायों को अन्य समुदायों के समकक्ष लाने के प्रयासों के खिलाफ है। यद्यपि आर्थिक दृष्टि से सक्षम हो जाने मात्र से दलितों की सामाजिक समस्याएं समाप्त नहीं हो जाएंगी मगर इसमें कोई संदेह नहीं कि बेहतर आर्थिक स्थिति से सामाजिक स्थिति में भी बेहतरी आती है।

भारतीय समाज जाति व्यवस्था के चंगुल में बुरी तरह फंसा हुआ है। इसके चलते जाति प्रथा के पीड़ितों को सामाजिक न्याय, सम्मान और गरिमा मिले, यह सुनिश्चित करवाना आसान नहीं है। दलितों को सम्मान और समानता दिलवाने का संघर्ष बहुत लम्बा और कठिन रहा है। इस दिशा में पहला प्रयास जोतिराव फुले ने किया था। उन्हें अहसास था कि जाति प्रथा, हिन्दू समाज की सबसे बड़ी कमजोरी है। चूँकि दलितों को पढने-लिखने नहीं दिया जाता था इसलिए फुले ने दलितों के लिए स्कूल खोले। जातिगत पदक्रम को बनाये रखने में लैंगिक असमानता की भी अहम भूमिका है। अतः सावित्रीबाई फुले ने लड़कियों के लिए स्कूल खोले। जातिगत व लैंगिक समानता की स्थापना के ये प्रयास करीब एक सदी पहले किये गए थे।

अम्बेडकर ने इन वर्गों को और जागरूक किया। दलितों को समझ में आया कि जमींदार और पुरोहित की जोड़ी झ जिसे महाराष्ट्र में शेठजी-भट्टजी कहा जाता है - उनकी सबसे बड़ी पीड़क है। इसी के चलते ब्राह्मण विरोधी आन्दोलन शुरू हुआ। ब्राह्मणों के प्रभुत्व को चुनौती देने वाले इस आन्दोलन की राह आसान नहीं रही। उच्च जातियों के लोग हिन्दू-मुस्लिम एकता स्थापित करने के गांधीजी के प्रयासों से पहले ही परेशान थे। दलितों की समान अधिकारों की मांग ने उच्च जातियों को और विचलित कर दिया। उच्च जातियों के श्रेष्ठी वर्ग ने आरएसएस की स्थापना की, जिसका लक्ष्य था हिन्दू राष्ट्र की स्थापना। हिन्दू राष्ट्र की परिकल्पना मनुस्मृति पर आधारित है। आरएसएस ने भारत के संविधान का इस आधार पर विरोध किया था कि उसमें भारत के स्वर्णिम अतीत के मूल्यों को जगह नहीं दी गई है।

अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षण का असर धीर-धीरे समाज पर पड़ने लगा। इसके साथ ही अफवाहें फैलाने का क्रम भी शुरू हो गया। आरक्षण से लाभान्वित होने वालों को सरकारी दामाद कहा जाने लगा और यह तर्क दिया गया कि वे जिन पदों पर काबिज हैं, वे उनके योग्य नहीं हैं। यह भी कहा गया कि आरक्षण की व्यवस्था योग्य युवाओं की राह में रोड़ा है। ऊंची जातियों के लोगों का गुस्सा सबसे पहले गुजरात के अहमदाबाद में सामने आया। माधवसिंह सोलंकी के केएचएएम या खाम (क्षत्रिय, हरिजन, आदिवासी और मुस्लिम) गठबंधन की सफलता पर तीव्र प्रतिक्रिया हुई और सन 1981 में गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा भड़क गयी। अध्येता अच्युत यागिनक लिखते हैं: शिक्षित मध्यम वर्ग, जिसमें ब्राह्मण, बनिया और पाटीदार शामिल हैं, ने 1981 में आरक्षण की व्यवस्था के खिलाफ आन्दोलन शुरू कर दिया।

सन 1985 में पदोन्नति में आरक्षण के खिलाफ एक बार फिर गुजरात में दलित-विरोधी हिंसा हुई। इसी समय, विश्व हिन्दू परिषद् ने राममंदिर आन्दोलन के बढ़ावा देना शुरू किया और लालकृष्ण अडवाणी ने सोमनाथ से अयोध्या तक रथयात्रा शुरू की।

वी.पी. सिंह, जिनकी सरकार एक ओर भाजपा तो दूसरी ओर वामपंथी दलों के समर्थन से चल रही थी, ने अपनी गद्दी बचाने की खातिर मंडल आयोग की रपट को लागू कर दिया और अन्य पिछड़ा वर्गों (ओबीसी), जो आबादी का 55 प्रतिशत हैं, को 27 प्रतिशत आरक्षण दे दिया। ऊंची जातियां, मंडल आयोग के खिलाफ थीं। मगर चुनावी कारणों से भाजपा मंडल का सीधे विरोध नहीं कर सकती थी। उसने रथयात्रा को सफल बनाने में पूरा जोर लगा दिया। इस यात्रा को मंडल-विरोधी उच्च जातियों का जबरदस्त समर्थन प्राप्त हुआ। मंडल का विरोध करने के लिए यूथ फॉर इक्वालिटी जैसी संस्थाएं उभर आईं।

मंडल राजनीति से शरद यादव, लालू यादव और रामविलास पासवान जैसे नेता उभरे। भाजपा के शीर्ष नेता अटलबिहारी वाजपेयी ने कहा, वे मंडल लाए तो हम बदले में कमंडल लाए। भाजपा सामाजिक न्याय की विरोधी रही है और अपने इस विरोध को उसने मुस्लिम-विरोध का जामा पहनाया। एक सुनियोजित षड़यंत्र के तहत बाबरी मस्जिद को गिरा दिया गया। भाजपा का उद्देश्य है जातिगत उंच-नीच को बनाये रखते हुए हिन्दुओं को एक करना। मंडल पार्टियाँ कई मामलों में सफल रहीं मगर उनमें से कुछ ने अपने संकीर्ण हितों की खातिर मनु की राजनीति से समझौता कर लिया।

इंडिया गठबंधन में शामिल कुछ दल मंडल के विरोधी रहे हैं। मगर अपनी दो भारत जोड़ो यात्राओं के दौरान आम लोगों की स्थिति देखने के बाद राहुल गाँधी, जाति जनगणना के प्रबल समर्थक बन गए हैं। विभिन्न जातियों की आबादी, आरक्षण के प्रतिशत का निर्धारण करने का सबसे बेहतर आधार है। इस सन्दर्भ में सुप्रीम कोर्ट का आरक्षण कोटे के उप-विभाजन के सम्बन्ध में निर्णय स्वागतयोग्य है। जो जातियां आरक्षण का लाभ नहीं उठा पाईं हैं, उन्हें इसका लाभ दिलवाना सामाजिक न्याय की स्थापना के लिए आवश्यक है।

जहाँ इंडिया गठबंधन जाति जनगणना की मांग का खुल कर समर्थन कर रहा है वहीं एनडीए की मुख्य घटक दल भाजपा इस मांग की पूर्ति की राह में हर संभव रोड़ा अटकाएगी। इस मांग के समर्थन में प्रदर्शन, सभाएं आदि कर इस मांग की पूर्ति सुनिश्चित की जा सकती है।

वैश्विकी: बांग्लादेश में भारत को धक्का

डॉ. दिलीप चौबे

बांग्लादेश के घटनाक्रम से भारत को राजनीतिक और रणनीतिक रूप से बहुत धक्का लगा है। इस नुकसान की निकट भविष्य में भरपाई हो पाएगी ऐसी संभावना नहीं लगती। भारत के लिए यह भी अफसोस की बात है कि जिस देश के निर्माण में उसने निर्णायक भूमिका निभाई थी वह फिर गुलामी की सुरंग में प्रवेश कर रहा है। यह विड़म्बना है कि बांग्लादेश के नये हुक्मरान इसे दूसरी आजादी की संज्ञा दे रहे हैं। बांग्लादेश में राष्ट्रपिता शेख मुजिबुर रहमान की प्रतिमाओं को तोडक्षे जाने का दृश्य भारत के लोगों के लिए भी ह्दयविदारक है। यह विचारणीय है कि बांग्लादेश का युवा वर्ग इतना गुमराह कैसे हो गया कि वह 1971 की आजादी की विरासत भी भूल गया। कहने के लिए युवा वर्ग के आंदोलन का नेतृत्व स्वतंत्रता प्रेमी और प्रगतिशील छात्र नेता कर रहे थे। वे शेख हसीना के कथित निरंकुश शासन से छुटकारा पाने और वास्तविक लोकतंत्र की स्थापना के लिए सड़कों पर उतरे थे। लेकिन हिन्दुओं पर लगातार हो रहे हमलों से इस आंदोलन का भयावह चेहरा उजागर हुआ है।

बांग्लादेश की चर्चित लेखिका और भारत में निर्वासन का जीवन जी रही तसलीमा नसरीन ने घटनाक्रम का विश्लेषण किया है। तसलीमा को शेख हसीना के शासनकाल में देश छोड़ने पर मजबूर किया गया था। तस्लीमा शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद दिल्ली आने को नियती का न्याय मान रही हैं। लेकिन इस व्यक्तिगत नाराजगी से अलग होकर वह लोकतंत्र और मजहबी विचारधारा के अंतर्विरोधों का भी जिक्र करती हैं। उनके अनुसार 'मुस्लिम समाज जब अल्पसंख्यक होता है तो वह लोकतंत्र चाहता है, लेकिन बहुसंख्यक होता है तो वह इस्लामी राज्य की मांग करता है।' शेख हसीना ने अपने शासनकाल में इसी अंतर्विरोध को दूर करने की कोशिश की थी।

वह एक लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष रूप में देश को विकास के रास्ते पर ले जा रही थीं। इतना ही नहीं विदेश मामलों में वह स्वतंत्र विदेश नीति को अनुसरण करने की कोशिश कर रही थीं। अपनी इन नीतियों के समर्थन में घरेलू स्तर पर वह जनसमर्थन को संगठित करने में कामयब नहीं हो सकीं। बांग्लादेश में विपक्षी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) और कट्टरपंथी जमात-ए-इस्लामी का गठजोड़. कायम रहा। इन्हीं हालात में अमेरिका और ब्रिटेन समेत पश्चिमी देशों ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन की मुहिम को हवा दी। मुखौटे के रूप में छात्रों और नोबल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को सामने लाया गया। बांग्लादेश में अमेरिका के रणनीतिक हित स्पष्ट हैं।

वह हिन्द-प्रशांत क्षेत्र में चीन की नाकाबंदी करना चाहता है। उसने इसी क्रम में भारत को शामिल करने के लिए क्वाड़ की स्थापना की थी, लेकिन हाल के वर्षों में स्पष्ट हो गया कि भारत दादागिरी के इस खेल में एक पक्ष बनने के लिए तैयार नहीं है। नये हालात में अमेरिका ने वैकल्पिक उपाय के रूप में ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया के साथ सैन्य गुट 'ऑक्स' की स्थापना की। साथ ही जापान, द. कोरिया और फिलिपींस के साथ गठजोड़. को मजबूत बनाया। केवल बंगाल की खाड़ी का विस्तृत इलाका खाली पड़ा था। इस क्षेत्र में अपनी रणनीतिक दखल को बढ़ाने के लिए अमेरिका ने बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन में भूमिका निभाई।

सवाल यह है कि शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग का क्या भविष्य है। फिलहाल अमेरिका की कोशिश यह होगी कि बांग्लादेश में लोकतंत्र का स्वांग रचाया जाए। साथ ही शेख हसीना की बांग्लादेश वापसी को हर हाल में रोका जाए। अवामी लीग में वैकल्पिक नेतृत्व कायम किया जाए जो अमेरिकी हितों का ध्यान रखे।

भारत ने 1971 में अमेरिका के 7वें नौसैनिक बेड़े.को धता बताते हुए बांग्लादेश को आजाद कराया था। आधी सदी बाद क्या भारत फिर ऐसी भूमिका निभाएगा? भारत अपने बलबूते शायद ऐसा करने की स्थिति में नहीं है। उसे इस चुनौती का सामना करने के लिए रूस, चीन और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों का सहयोग हासिल करना होगा। केवल ऐसा व्यापक गठजोड़.ही बंगाल की खाड़ी और हिन्द महासागर को सुरक्षित रख सकता है। केवल इससे पूर्वोत्तर में शांति, स्थिरता तथा भारत के रणनीतिक हितों की सुरक्षा भी संभव है।

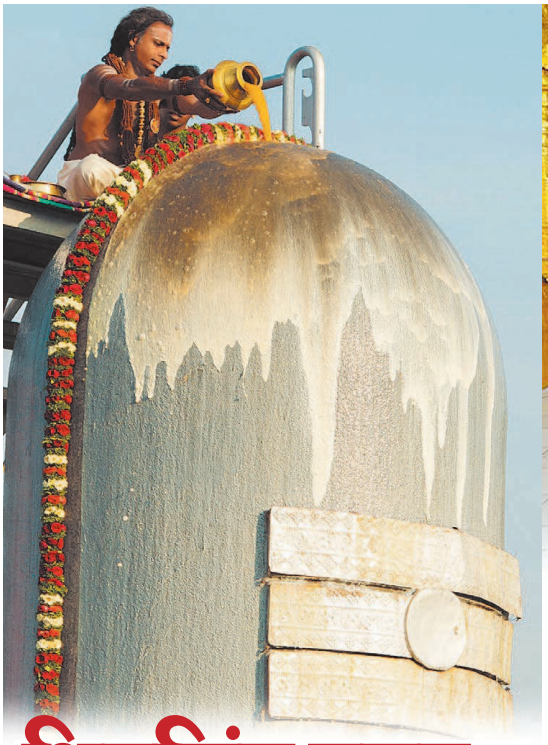

शिवलिंग पूजन में रखें ध्यान

परमात्मा रूपी शिवलिंग की प्रत्येक व्यक्ति को पूजन आराधना करनी ही चाहिए। शिवलिंग को विधिपूर्वक स्नान करवाकर, उस स्नान वाले जल का तीन बार जो भी व्यक्ति आचमन करता है उसके तीनों अर्थात शारीरिक, मानसिक तथा वाचिक पाप तत्काल नष्ट हो जाते हैं। शिवलिंग मिट्टी का, पत्थर का, स्वर्ण का, रजत का तथा पारे आदि का बनवाकर प्राय: पूजन किया जाता है। विविध कामनाओं की पूर्ति करने के लिए विविध सामग्रियों से शिवलिंग बनाकर पूजने की विशेषता यहां बताई जा रही है –

- पारे का शिवलिंग बनाकर पूजन करने से महाऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- स्वर्ण की धातु से बनाए शिवलिंग की यदि पूजा-अर्चना की जाए तो महामुक्ति प्राप्त होती है।
- अष्टधातु से शिवलिंग का निर्माण करके यदि पूजा जाए तो सर्वसिद्धियों की प्राप्ति होती है।
- रजत से बनाए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना करने से महाविभूति की प्राप्ति होती है।
- नमक से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चना की जाए तो सुख सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- मिट्टी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर समस्त कार्य सिद्धि होती है।
- भस्म से निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो सभी फल प्राप्त होते हैं।
- कस्तूरी से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर पूजा करने वाला शिव सा पूज्य पाता है।
- धान्य से बनाए गए शिवलिंग की पूजा की जाए तो स्त्री धन तथा पुत्र की प्राप्ति होती है।
- पुष्पों का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने से भूमि का लाभ प्राप्त होता है।
- मिश्री का शिवलिंग निर्मित करके पूजन-अर्चन किया जाए तो रोगों का नाश होकर आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- बांस के वृक्ष पर निकले हुए अंकुरों से यदि शिवलिंग बनाकर पूजन किया जाए तो वंश-वृद्धि होती है।
- फलों से बनाए गए शिवलिंग की पूजा करने पर शुभ-शुभ की प्राप्ति होती है।
- आंवले के फल से शिवलिंग बना कर पूजन करने पर मुक्ति की प्राप्ति होती है।
- मक्खन से शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर यश, कीर्त तथा सौभाग्य की प्राप्ति होती है।
- दोनों हाथों से लिंग मुद्रा बनाकर उसकी शिवलिंग की भांति पूजा की जाए तो हाथों में बरकत आ जाती है।
- गुड़ का शिवलिंग बनाकर पूजन-अर्चन करने पर महावशीकरण की प्राप्ति होती है।
- लहसुनियां पत्थर का शिवलिंग बनाकर पूजन करने पर शत्रुओं को पग-पग पर विघ्न तथा मान हानि प्राप्त होती है।
- अष्टलोह के शिवलिंग को बनाकर पूजन करने पर कुष्ठ रोग का नाश हो जाता है।
- मोती का बनाया हुआ शिवलिंग पूजन करने पर सौभाग्य में चार चांद लगाता है।

इस पूजन में सावधानी यही रखनी होगी कि ठोस पदार्थ अर्थात शिला, रत्न तथा धातु द्वारा निर्मित किए गए शिवलिंग की पूजा-अर्चना तो सदैव एक ही शिवलिंग पर की जा सकती है परंतु दूसरी विभिन्न सामग्री से बनाए गए शिवलिंग को प्रत्येक पूजन की समाप्ति पर संहार मुद्रा द्वारा विसर्जन कर देना होगा अन्यथा आप्रत्यक्ष हानि की भी संभावना है। माना जाता है कि मिट्टी आदि के बनाए शिवलिंग में जितनी बार भी मिट्टी टूटकर गिरेगी, साधक हो या पूजक को उतने ही करोड़ वर्षों तक नरक की अग्नि में झुलसना होगा, अत- अन्य सामग्री द्वारा निर्मित शिवलिंग का विसर्जन, पूजन कार्य की समाप्ति पर कर देना चाहिए।

सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग सोमनाथ

भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं

गुजरात के सौराष्ट्र में भगवान सोमनाथ को ऐतिहासिक मंदिर है। भारत भूमि पर भगवान शंकर के 12 ज्योर्तिलिंग स्थापित हैं, उनमें सोमनाथ को सर्वप्रथम ज्योर्तिलिंग के रूप में जाना जाता है। कहते हैं इसका निर्माण स्वयं चन्द्रदेव ने किया था। यह मंदिर प्रभास क्षेत्र में स्थित है। कहते हैं भगवान शंकर के वर से चन्द्र की नष्ट हुई प्रभा पुन- प्राप्त हुई, इसीलिए इस क्षेत्र का नाम प्रभास पड़ा। यह मंदिर अत्यंत भव्य और वैभवशाली है। इतिहासकार बताते हैं कि पहली बार महमूद गजनी ने इसे लूटा। इसके बाद यह कई बार टूटा फिर इसका जीर्णोद्धार हुआ। सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रयत्न से मौजूदा मंदिर का निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ। 1951 में राष्ट्रपति डा. राजेन्द्र प्रसाद के हाथों नए मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा हुई थी। सोमनाथ मंदिर दुनिया भर में प्रसिद्ध है। मंदिर प्रांगण में शाम 7.30 बजे से 8.30 बजे तक लाइट एंड साऊंड शो में मंदिर के इतिहास के बारे में बताया जाता है। मंदिर के दक्षिण में समुद्र के किनारे स्तम्भ है, उसके ऊपर तीर से दर्शाया गया है कि सोमनाथ मंदिर और पृथ्वी के दक्षिणी ध्रुव के मध्य कोई भू-भाग नहीं है।

शाप का निवारण – मंदिर के संबंध में किंवदंती है कि सोम अर्थात चन्द्र ने राजा दक्ष प्रजापति की 27 कन्याओं से विवाह किया था। रोहिणी नाम की पत्नी से उनका विशेष अनुराग था। शेष 26 पत्नियों के साथ उनका वियोग रहता था। इन 26 बहनों ने मिलकर पिता से शिकायत की। दक्ष प्रजापति ने कई बार चन्द्र को समझाया परंतु उन पर कोई असर नहीं पड़ा। अंत में राजा दक्ष ने चन्द्र को शाप दे दिया कि अब से हर दिन तुम्हारा तेज क्षीण होता जाएगा। चन्द्र का तेज कम होने लगा। पृथ्वी पर त्राहि-त्राहि मच गई। चंद्र और इंद्र सहित सभी देवता ब्रह्मा जी के पास गए। ब्रह्मा जी ने चन्द्र को प्रभास क्षेत्र में विधिपूर्वक मृत्युंजय मंत्र का जप, तप और शिव आराधना करने की सलाह दी। चंद्रदेव ने वैसा ही किया। भोलेनाथ ने प्रसन्न होकर शाप का निवारण किया, साथ ही यह भी कहा कि एक पक्ष में तुम्हारा तेज क्षीण होगा तो दूसरे पक्ष में बढ़ेगा। पूर्णिमा के दिन पूर्ण तेज होगा। चंद्र ने भगवान शिव का वहीं स्थापन कर सोमनाथ नाम दिया। मंदिर इतना भव्य है कि ऐसा लगता है भगवान शिव यहां साक्षात विराजमान हैं।

श्राद्ध भी होता है यहां

'प्रभास' में पूर्वजों का श्राद्ध भी होता है, जो किसी महीने में हो सकता है। चैत्र, भाद्रपद और कार्तिक महीने में श्राद्ध करना श्रेयस्कर होता है। समुद्र तट पर होने के कारण यहां गर्मी में शीतलता रहती है। सोमनाथ मंदिर से 6 किलोमीटर की दूरी पर भालुका तीर्थ है। मान्यता है कि भगवान श्री कृष्ण यहां विश्राम कर रहे थे, तभी एक शिकारी ने उनके पैर के तलवे में पद्मचिन्ह को हिरण की आंख समझ कर धोखे से तीर मारा, तभी भगवान श्री कृष्ण ने देह त्याग कर वैकुंठ गमन किया।

यहां तीन नदियों- हिरण, कपिला और सरस्वती का संगम भी है। इसके अतिरिक्त वाणेश्वर, भालुकातीर्थ, द्वारकानाथ मन्दिर, सूर्य मंदिर, हिंगलाज गुफा, गीता मंदिर आदि प्रमुख धार्मिक स्थल हैं। यहां से 200 कि.मी. की दूरी पर द्वारका धाम है। यहां से 69 कि.मी. की दूरी पर 1424 कि.मी. में फैला गिर वन्यजीव अभ्यारण्य है और शेरों के लिए मशहूर है। पर्यटक गाई के साथ खुली जीप में बैठकर शेरों को करीब से देखने की लालसा में जाते हैं।

सावन के मंगलवार करें ये उपाय

हर संकट से पार लगाएंगे बजरंगबली

सावन के महीने में किया गया हनुमान पूजन शीघ्र फलदाई होता है। पंचांग के अनुसार श्रवण हिंदू वर्ष का पांचवा महीना है और शिव भक्ति का ही विशेष काल है। श्रावण मास हिन्दू सनातन परंपराओं के अनुसार मनुष्य जीवन के चार संयम की अहमियत बताने वाला महीना है। हनुमान जी एकादश रुद्र अवतार हैं अर्थात वे भगवान शंकर के ग्यारहवें अवतार माने जाते हैं। एकादश रुद्र अवतार का चरित्र भी संयम, शौर्य, पराक्रम, बुद्धि, बल, पवित्रता, संकल्प शक्तियों के बूते जीवन को कष्ट, बाधाओं व संकटों से दूर रखने की प्रेरणा देता है। सावन के 5 मंगलवार शाम 5 बजे के बाद हनुमान जी के सामने चमेली के तेल का एक दीपक अर्पित करें। आपकी हर मुराद होगी पूरी।

हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए एक साबुत पान का पत्ता लेकर उस पर थोड़ा सा गुड़ और चना रख कर भोग लगाएं।

बजरंगबली से धन का आशीर्वाद चाहते हैं तो उन्हें अपने हाथों से गुलाब के फूलों की माला बनाकर चढ़ाएं। फिर आसन बिछाकर बैठकर तुलसी की माला से इस मंत्र का जप करें –

मंत्र- राम रामेति रामेति रमे रामे मनोरमे।
सहस्त्र नाम तत्तुल्यं राम नाम वरानने।।

अब हनुमान जी की माला में से एक फूल तोड़ कर घर ले आएं। पीछे मुड़कर न देखें। घर आ कर उसे लाल कपड़े में लपेटकर अपने धन रखने के स्थान पर रखें।

गरुड़ पुराण से जानें

कैसे होगी आपकी मौत

मृत्युलोक पर जो जन पैदा होता है, उसे इसे छोड़ कर एक दिन जाना पड़ता है। वैष्णव ग्रंथ गरूड़ पुराण दो भागों में विभाजित है। पहले भाग में विष्णु भक्ति का वर्णन है और दूसरे भाग में प्रेत कल्प से लेकर नरक तक का संपूर्ण वृतांत है। जब किसी हिंदू की मृत्यु हो जाती है, उसके बाद गरूड़ पुराण को पढ़ने का विधान है। बहुत सारे लोगों में ये गलत धारणा है की इस ग्रंथ को केवल मृत्यु के बाद पढ़ा जाता है लेकिन ऐसा नहीं है। जीवनकाल में इस ग्रंथ को पढ़ने से पाप-पुण्य, नरक-स्वर्ग का ज्ञान पूर्ण रूप से प्राप्त होता है। इस पुराण से जाना जा सकता है की कैसे होती है किसी भी व्यक्ति की मौत।

गरुड़ पुराण के अनुसार जब किसी प्राणी की मृत्यु का समय पास आता है तो यमराज के दो दूत मरन अवस्था में पड़े प्राणी के पास आ जाते हैं। पापी मनुष्य को यम के दूतों से भय लगता है। जिन लोगों ने जीवन भर अच्छे कर्म किए होते हैं उन्हें मरने के समय अपने सामने दिव्य प्रकाश दिखता है और उन्हें मृत्यु से भय नहीं लगता। सत्यवादी, आस्तिक, किसी का दिल न दुखाने वाले, धर्म के पथ पर चलने वाले लोगों की मृत्यु सुखद होती है। जो दूसरों में गलत धारणाएं फैलाकर उन्हें गलत पथ पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं, वह अंत समय में दर्द भरी मृत्यु प्राप्त करते हैं। संसार की कोई भी चीज अंत समय में साथ जाने वाली नहीं है। जब जीवन में प्रकाश सब ओर से लुप्त हो जाए और अंधकार में इन्सान को कुछ न सूझे तो उस समय आत्मा की ज्योति सर्वोपरि होती है। हमारी आत्मा हमें विपत्तियों में, तनाव में, पथरीले मार्ग पर व हर मोड़ पर सदैव सच्चा रास्ता दिखाने को तत्पर रहती है। आत्मा जैसा निश्चल, स्वच्छ, शुभ्र प्रकाश इस पृथ्वी में अन्य कहीं भी विद्यमान नहीं है। जब आत्मा का स्वरूप समझ में आ जाएगा तो जीवन की सभी पहेलियां सुलझ जाएंगी। आत्मा कभी भी मरती नहीं है, लेकिन जब तक आप आत्मभाव में नहीं आ जाते, आपको मृत्यु का डर बना रहेगा। जब मृत्यु के बारे में सभी तथ्य पता चल जाएंगे, तो मृत्यु का डर गायब हो जाएगा।

बहुत चमत्कारी है ये मामूली बांसुरी

वैसे तो कई तरह की बांसुरियां होती हैं, जो अलग-अलग असर दिखाती हैं लेकिन बांस से बनी बांसुरी और चांदी की बांसुरी विशेष असर दिखाने वाली और कमाल की होती है।

- चांदी की बांसुरी अगर आपके घर में होगी तो उस घर में पैसों से जुड़ी कोई परेशानी नहीं होगी।
- सोने की बांसुरी घर में रखने से उस घर में लक्ष्मी रहने लग जाती है और ऐसे घर में पैसा ही पैसा होता है।
- बांस के पौधे से बनी होने के कारण लकड़ी की बांसुरी शीघ्र उन्नतिदायक प्रभाव देती है अत- जिन व्यक्तियों को जीवन में पर्याप्त सफलता प्राप्त नहीं हो पा रही हो, अथवा शिक्षा, व्यवसाय या नौकरी में बाधा आ रही हो, तो उन्हें अपने बैडरूम के दरवाजे पर दो बांसुरियों को लगाना चाहिए।
- यदि घर में अत्यधिक वास्तु दोष है या दो से अधिक दरवाजे एक सीध में हैं तो घर के मुख्यद्वार के ऊपर दो बांसुरी लगाने से लाभ मिलता है तथा वास्तु दोष भी धीरे-धीरे समाप्त होने लगता है।
- घर का कोई सदस्य अगर बहुत दिनों से बीमार हो, अकाल मृत्यु का डर या अन्य कोई स्वास्थ्य से सम्बन्धित बड़ी समस्या चल रही हो तो प्रत्येक कमरे के बाहर और बीमार व्यक्ति के सिरहाने पर बांसुरी रखनी चाहिए। इससे बहुत जल्दी असर होने लगेगा।
- चांदी या बांस से बनी बांसुरी के बारे में एक जबरदस्त कमाल की बात ये है कि जब ऐसी बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है, तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं और जब इसे बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घर में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।

अरबिंदो फार्मा का मुनाफा पहली तिमाही में 61 फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली । अरबिंदो फार्मा का जून 2024 को समाप्त चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 61 प्रतिशत बढ़कर 919 करोड़ रुपये हो गया। हैदराबाद स्थित दवा विनिर्माता ने पिछले वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में 571 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा कि जून तिमाही में परिचालन आय बढ़कर 7,567 करोड़ रुपये हो गई, जबकि एक साल पहले इसी अवधि में यह 6,851 करोड़ रुपये थी। अरबिंदो फार्मा के एक अे धिकारी ने कहा कि हम इस तिमाही में अपने लगातार मजबूत प्रदर्शन से खुश हैं, जिसमें हमारे सभी व्यावसायिक क्षेत्रों में उल्लेखनीय आय वृद्धि हुई है।

सिग्नेचर ग्लोबल का कर्ज जून तिमाही में 16 फीसदी घटा

नई दिल्ली । रियल्टी फर्म सिग्नेचर ग्लोबल का कर्ज जून तिमाही में 16 फीसदी कम होकर 980 करोड़ रुपये रह गया है। कंपनी ने कहा कि आवासीय परियोजनाओं में मजबूत बिक्री के बीच बेहतर नकदी प्रवाह की वजह से कर्ज में कमी आई है। कंपनी ने जून तिमाही के लिए अपनी ताजा निवेशक प्रस्तुति में बताया कि` पिछले माह 30 जून तक उसका कर्ज 980 करोड़ रुपये था, जबकि पिछले वित्त वर्ष के अे खिर में यह 1,160 करोड़ रुपये था। प्रस्तुति में कहा गया` कि कंपनी का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में कर्ज को अनुमानित परिचालन अधिशेष के 0.5 गुना से कम पर रखना है। कंपनी के एक अे धिकारी ने कहा कि पहली तिमाही में वार्षिक पूर्व-बिक्री लक्ष्य का 30 प्रतिशत हासिल कर लिया गया है।

एचसीएल सॉफ्टवेयर 2.4 करोड़ यूरो में खरीदेगी जीनिया

नई दिल्ली । एचसीएलटेक के सॉफ्टवेयर कारोबार अनुभाग एचसीएल सॉफ्टवेयर ने 2.4 करोड़ यूरो (लगभग 218 करोड़ रुपये) में डेटा कैटलॉग और संचालन समाधान देने वाली पेरिस की कंपनी जीनिया का अधिग्रहण करने की घोषणा की। यह अधिग्रहण सितंबर 2024 में पूरा हो सकता है। एचसीएल सॉफ्टवेयर इस अधिग्रहण के जरिये अपने डेटा ऐंड एनालिटिक्स कारोबार (ऐक्सन) को बढ़ाएगी। एचसीएल सॉफ्टवेयर ऐक्सन डेटा प्लेटफॉर्म ने पिछले कुछ वर्षों के दौरान हाइब्रिड डेटा प्रबंधन और एकीकरण में जोरदार वृद्धि देखी है। कंपनी ने कहा कि मेटाडेटा प्रबंधन, डेटा कैटलॉग और संचालन क्षमताओं को जोड़ने से ग्राहक डेटा प्लेटफॉर्म की इन क्षमताओं का उपयोग करने में सक्षम होंगे। एचसीएल सॉफ्टवेयर के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि हमारे ग्राहकों के लिए कारोबारी कार्यों में अपनी जेनएआई पहलों को बढ़ावा देने के मामले में मेटाडेटा प्रबंधन महत्वपूर्ण होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि इससे एचसीएल सॉफ्टवेयर एकीकृत डेटा इंटेलिजेंस समाधान कर सकेगी।

सीमेंस का मुनाफा 25 प्रतिशत बढ़कर 531 करोड़ पर

नई दिल्ली । सीमेंस का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही के लिए 25 प्रतिशत बढ़कर 531 करोड़ रुपये रहा है। कंपनी ने कहा कि उसके मुनाफे में यह उछाल आय बढ़ने के कारण आई है। सीमेंस का वित्त वर्ष अक्टूबर से सितंबर तक रहता है। बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी का मुनाफा 424 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने कहा कि उसकी आमदनी सात प्रतिशत बढ़कर जून तिमाही में 4,714 करोड़ रुपये हो गई है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 4,407 करोड़ रुपये था। कंपनी का नया ऑर्डर जून तिमाही में 18 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6,245 करोड़ रुपये का है, जो बीते वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,288 करोड़ रुपये था। सीमेंस के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा` कि जून तिमाही में हमारे सभी व्यवसायों ने अच्छा प्रदर्शन किया और आमदनी व मुनाफे में मजबूत वृद्धि हुई। यह मजबूत प्रदर्शन उच्च गुणवत्ता वाले ऑर्डर से आया है जिसे हम लगातार मेहनत से पूरा कर रहे हैं। सीमेंस लिमिटेड उद्योग बुनियादी ढांचा, परिवहन पर केंद्रित एक प्रौद्योगिकी कंपनी है।

देश के तेल-तिलहन के दाम सुधार के साथ बंद हुए

- सरसों तिलहन 5,975-6,015 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

शिकागो एक्सचेंज के मजबूत बंद होने से स्थानीय कारोबारी धारणा मजबूत रही और इस बीच देश के खाद्य तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सोयाबीन तिलहन को छोड़कर बाकी सभी तेल-तिलहन के दाम सुधार के साथ बंद हुए। डी-आयल्ड केक (डीओसी) की मांग कमजोर रहने के बीच सोयाबीन तिलहन के भाव अपरिवर्तित रहे। सूत्रों ने कहा कि अर्जेन्टीना में वेतन वृद्धि की मांग को लेकर आम मजदूरों की हड़ताल में तिलहन कामगार भी शामिल हैं जिसकी वजह से कामकाज बाधित है। इस वजह से भी बाकी तेल तिलहनों के साथ सोयाबीन तेल में सुधार है। शे निवार को तेल-तिलहनों के भाव इस प्रकार रहे- सरसों तिलहन 5,975-6,015 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली 6,525-6,800 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल मिल डिलिवरी (गुजरात) 15,650 रुपये प्रति क्विंटल, मूंगफली रिफाइंड तेल 2,335-2,635 रुपये प्रति टिन, सरसों तेल दादरी 11,650 रुपये प्रति क्विंटल, सरसों पक्की घानी 1,890-1,990 रुपये प्रति टिन, सरसों कच्ची घानी ,890-2,015 रुपये प्रति टिन, तिल तेल मिल डिलिवरी 18,900-21,000 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल मिल डिलिवरी दिल्ली 10,225 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन मिल डिलिवरी इंदौर 9,925 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन तेल डीगम, कांडला 8,550 रुपये प्रति क्विंटल, सीपीओ एक्स-कांडला 8,800 रुपये प्रति क्विंटल, बिनौला मिल डिलिवरी (हरियाणा) 9,525 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन आरबीडी, दिल्ली 10,000 रुपये प्रति क्विंटल, पामोलिन एक्स कांडला- 9,050 रुपये (बिना जीएसटी के) प्रति क्विंटल, सोयाबीन दाना 4,460-4,480 रुपये प्रति क्विंटल, सोयाबीन लूज 4,270-4,395 रुपये प्रति क्विंटल और मक्का खल (सरिस्का) 4,125 रुपये प्रति क्विंटल।

लेम्बोर्गिनी उरस एसई की डिलेवरी होगी अगले साल

नई दिल्ली ।

लेम्बोर्गिनी उरस एसई सबसे पहले अमेरिका में लेम्बोर्गिनी लाउंज, न्यूयॉर्क सिटी में लॉन्च की गई थी। यह उरस परफामेंट एसयूवी की सक्सेसर है। अब लेम्बोर्गिनी ने अपनी नई उरस से भारत में लॉन्च कर दी है। इस लग्जरी गाड़ी की कीमत 4.57 करोड़ रुपए एक्स-शोरूम रखी गई है। कंपनी अगले साल से इस गाड़ी की डिलीवरी देना शुरू करेगी।इस गाड़ी में 4.0-लीटर ट्विन टर्बो चार्ज्ड वी 8 इंजन दिया गया है। इस इंजन में प्लग-इन-हाइब्रिड सिस्टम के साथ 25.9 केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक भी लगाया गया है। इस इलेक्ट्रिक मोटर के साथ ये कार 800 बीएचपी की पावर और 950 एनएम का टॉर्क जेनेरेट होता है। इस कार को आप 60 किलोमीटर तक प्योर इलेक्ट्रिक मोड में चला सकते हैं। लेम्बोर्गिनी उरस एसई में नए डिजाइन किए गए एसी वेंट, अपडेटेड मैटेरियल, नया पैनल और डैशबोर्ड कवरिंग है। इसके अलावा इसमें नई लेम्बोर्गिनी रेवुएल्टो से 12.3 इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम इस्तेमाल किया गया है, जिसमें ज्यादा रिस्पॉन्सिव यूआई है और इसमें एक डेडिकेटेड टेलीमेट्री सिस्टम है।

वाहनों में फैंसी नंबर प्लेट्स लगाना होगा महंगा

- 28 फीसदी की दर से जीएसटी लगाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली ।

वाहनों में पसंदीदा नंबर प्लेट्स लगवाना जल्द ही महंगा हो सकता है, क्योंकि सरकार फैंसी नंबर प्लेट्स पर 28 फीसदी की जीएसटी दर लागू करने पर विचार कर रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस प्रस्ताव को वित्त मंत्रालय के पास भेजा गया है, जिसमें पूछा गया है कि क्या फैंसी नंबर या नंबर ऑफ चॉइस को लग्जरी आइटम के रूप में मानकर उस पर उच्चतम जीएसटी दर लगाना उचित है। सूत्रों के अनुसार फील्ड फॉर्मेशंस ने सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) को पत्र लिखकर यह सुझाव देने को कहा है कि क्या फैंसी नंबर प्लेट्स पर जीएसटी की देनदारी बनती है। फील्ड फॉर्मेशंस का कहना है कि फैंसी नंबर प्लेटस लग्जरी आइटम हैं और इस पर 28 फीसदी की जीएसटी दर लागू होनी चाहिए। वाहनों में नंबर प्लेट या रजिस्ट्रेशन प्लेट देने का काम राज्य सरकार के प्राधिकरणों का होता है। फैंसी नंबर देने के लिए राज्य सरकारें नीलामी करती हैं, जिसके लिए अलग से शुल्क का भुगतान करना पड़ता है। कई बार फैंसी नंबर की नीलामी लाखों रुपए में होती है और लोग अपनी गाड़ियों में फैंसी नंबर लगवाने के लिए लाखों रुपए खर्च भी करते हैं। फील्ड फॉर्मेशंस सभी राज्यों और जोन में स्थित केंद्र सरकार के दफ्तर होते हैं, जो टैक्स कलेक्शन के लिए जिम्मेदार होते हैं। टैक्स कलेक्शन के अलावा फील्ड फॉर्मेशंस से पास टैक्स से जुड़े नियमों को लागू कराने की भी जिम्मेदारी होती है और वही टैक्सपेयर्स के साथ बात भी करते हैं। अगर फील्ड फॉर्मेशंस की बात मानी गई तो जल्दी ही फैंसी नंबर के लिए लोगों का खर्च बढ़ सकता है।

सेंसेक्स की शीर्ष 10 में से आठ कंपनियों का मार्केट कैप 1.66 लाख करोड़ घटा

- सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस और एलआईसी को हुआ

मुंबई

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की 10 प्रमुख कंपनियों में से आठ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में संयुक्त रूप से 1,66,954.07 करोड़ रुपये की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

इनमें सबसे ज्यादा नुकसान रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) को हुआ। देश की प्रमुख कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) का बाजार पूंजीकरण 33,930.56 करोड़ रुपये घटकर 19,94,765.01 करोड़ रुपये रह गया। इस तरह रिलायंस की बीते हफ्ते शीर्ष 10 कंपनियों में से सर्वाधिक नुकसान हुआ। पिछले हफ्ते देश की सबसे बड़ी बीमा कंपनी एलआईसी के बाजार मूल्यांकन में 30,676.24 करोड़ रुपये घटकर 7,17,001.74 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का मूल्यांकन 21,151.33 करोड़ रुपये घटकर 7,35,566.52 करोड़ रुपये, सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी इन्फोसिस का बाजार मूल्यांकन 20,973.19 करोड़ रुपये घटकर 7,35,277.28 करोड़ रुपये, टाटा समूह की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 19,157.77 करोड़ रुपये घटकर 15,30,469.11 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 16,993.56 करोड़ रुपये घटकर 8,33,396.32 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 16,975.55 करोड़ रुपये घटकर 8,25,201.23 करोड़ रुपये और निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 7,095.87 करोड़ रुपये घटकर 12,56,505.53 करोड़ रुपये रह गया। हालांकि, हिंदुस्तान यूनिलीवर का बाजार पूंजीकरण 12,946.24 करोड़ रुपये बढ़कर 6,45,808.65 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन भी 8,406.26 करोड़ रुपये बढ़कर 6,19,829.37 करोड़ रुपये हो गया। पिछले हफ्ते बड़ा नुकसान उठाने के बावजूद रिलायंस इंडस्ट्रीज ने देश की सबसे मूल्यवान कंपनी का खिताब बरकरार रखा है। इसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, एसबीआई, इन्फोसिस, एलआईसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और आईटीसी का स्थान रहा।

देश में 10,000-20,000 रुपये कीमत वाले स्मार्टफोन की मांग ज्यादा: इन्फिनिक्स इंडिया

लखनऊ ।

देश के स्मार्टफोन उद्योग में 10,000-20,000 रुपये की कीमत वाले मोबाइल फोन का दबदबा बरकरार है, जो कुल बाजार आकार का 40 प्रतिशत से अधिक है। इन्फिनिक्स इंडिया के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह बात कही है। अे धिकारी ने कहा कि हाल के दिनों में 5जी सक्षम हैंडसेट की मांग बढ़ी है और 10,000 रुपये से 20,000 रुपये के बीच की कीमत वाले डिवाइस की मांग अधिक देखी जा रही है, जबकि पहले 10,000 रुपये से कम कीमत वाले डिवाइस बाजार में छाए रहते थे। उन्होंने कहा कि पिछले दो वर्षों से बाजार में जो उछाव था, वह बदल गया है और बाजार एक बार फिर से बढ़ने लगा है। उन्होंने कहा` कि पहले भारत में 10,000 रुपये से कम कीमत वाले फोन का बाजार पर दबदबा था और यह करीब 35 से 40 फीसदी था। अब प्रमुख बाजार 10,000 से 20,000 रुपये की कीमत वाले मोबाइल फोन के पास चला गया है, जो करीब 43 फीसदी है।

उन्होंने इस नए रुझान का श्रेय उन्नत सुविधाओं और नवीनतम तकनीक के प्रति उपयोगकर्ताओं की प्राथमिकता को दिया। फिलहाल 5जी फोन की कीमत 10,000 से 11,000 रुपये से शुरू है। उन्होंने कहा` कि उत्तर प्रदेश हमारे लिए ऑनलाइन और ऑफलाइन, दोनों ही दृष्टि से सबसे बड़े बाजारों में से एक है, और एक ब्रांड के रूप में हमारे लिए प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही है।

घरेलू खाद्य बाजार बढ़कर 1,274 अरब डॉलर पहुंच सकता है:रिपोर्ट

नई दिल्ली।

घरेलू खाद्य बाजार के 2027 तक 47 प्रतिशत से बढ़कर 1,274 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की एक रिपोर्ट में यह बात कही गई। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग में अत्याधुनिक तकनीक के साथ नवाचारी स्टार्टअप उभर रहे हैं। भारत में खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र दक्षिणी राज्यों के लिए संभावनाएं शीर्षक वाली रिपोर्ट के मुताबिक तमिलनाडु भारत के प्रसंस्कृत फलों, जूस और मेवों के निर्यात में सबसे आगे है। राज्य की मात्रा के हिसाब से 33 प्रतिशत और मूल्य के हिसाब से 27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। अध्ययन में उभरते रुझानों, प्रौद्योगिकियों और निर्यात अवसरों के बारे में विचार किया गया है। सीआईआई नेशनल कांउसिल फॉर कोल्ड चेन एंड एग्री लॉजिस्टिक्स के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि इस वृद्धि को रफ्तार देने में प्रौद्योगिकी अग्रणी भूमिका निभाएगी।

हिंडनबर्ग के आरोपों के बाद सोमवार को शेयर बाजार पर क्या होगा असर?

-विश्लेषक कहते हैं, बाजार में बड़ी हलचल की आशंका कम है, दहशत जैसी स्थिति नहीं रहेगी

नई दिल्ली।

अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने आरोप लगाया है कि भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच की अडानी समूह के कथित धन शोधन घोटाले में उपयोग की गईं विदेशी कंपनियों में हिस्सेदारी थी।

हिंडनबर्ग ने कहा कि सेबी ने अडानी समूह के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की बल्कि अमेरिकी शॉर्ट सेलर को ही कारण बताओ नोटिस जारी कर दिया।

इस मामले में शेयर बाजार विश्लेषकों का कहना है कि हिंडनबर्ग द्वारा सेबी प्रमुख माधबी और उनके पति धवल बुच पर लगाए आरोपों पर बाजार प्रे तिक्रिया तो करेगा, लेकिन बड़ा असर नहीं होगा। उनका मानना है कि ये आरोप केवल आरोप हैं, कुछ सिद्ध नहीं हुआ है।

विशेषज्ञों का कहना है कि इन आरोपों का शेयर बाजार में मामूली प्रभाव तो हो सकता है, लेकिन बाजार में बड़ी हलचल यह हिंडनबर्ग के आरोप पैदा कर देगी, ऐसी आशंका अत्यधिक कम है। यह सेबी के आंतरिक संचालन और कर्मचारी अनुपालन से संबंधित मामला है। बाजार परिपक्व और कोई दहशत जैसी स्थिति पैदा नहीं होगी। एक रिपोर्ट की मानें तो बाजार रिए क्ट तो करेगा लेकिन साथ ही दूसरे निवेशकों के लिए मौके भी बना सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार ये आरोप मौजूदा सेबी प्रमुख के खिलाफ है। हालांकि बाजार में तेजी से सुधार भी आ सकता है।

समस्या तभी पैदा होगी जब सेबी अध्यक्ष बुच की इन आरोपों के चलते छुट्टी कर दे। आईसीआईसीआई बैंक में चंदा कोचर के मामले ऐसा देखा गया था। इक्विनॉमिक्स रिसर्च के एक शोधकर्ता का भी मानना है कि हिंडनबर्ग ने जो कहा है वह, केवल आरोप हैं और वे ऐसी रिपोर्टों पर विश्वास नहीं करते हैं। उन्होंने सोमवार को शेयर बाजार के स्थिर रहने की संभावना जताई है। अल्फानिटी फिनटेक के एक विश्लेषक ने कहा कि हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों का वैसा प्रभाव पड़ने की संभावना बहुत कम है, जैसी अडानी पर आई रिपोर्ट पर हुआ था।

हिंडनबर्ग के आरोपों का बाजार की धारणा पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। आरोप अप्रत्यक्ष हैं और इसका ज्यादा मतलब नहीं है।

किसी भी तरह की शुरुआती प्रतिक्रिया के बाद बाजार में फिर से तेजी आएगी।

जून तिमाही में कोयला आयात बढ़कर 7.52 करोड़ टन रहा

नई दिल्ली ।

चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में भारत का कोयला आयात 5.7 प्रतिशत बढ़कर 7.52 करोड़ टन हो गया, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 7.11 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था। ई-कॉमर्स मंच एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के जुटाए आंकड़ों के मुताबिक जून में देश का कोयला आयात भी 6.59 प्रतिशत बढ़कर 2.29 करोड़ टन रहा, जबकि पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 2.15 करोड़ टन कोयला आयात हुआ था।

जून 2024 के दौरान कुल आयात में से गैर-कोकिंग कोयले का आयात 1.41 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल जून में आयात किए गए 1.32 करोड़ टन से अधिक है। कोकिंग कोयले का आयात 54.5 लाख टन रहा, जबकि जून 2023 में 53.3 लाख टन आयात किया गया था।

अप्रैल-जून तिमाही में गैर-कोकिंग कोयले का आयात 4.91 करोड़ टन रहा, जो पिछले साल इसी अवधि में आयात किए गए 4.65 करोड़ टन से अधिक है। अप्रैल-जून तिमाही में कोकिंग कोयले का आयात 1.54 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 1.52 करोड़ टन था। वित्त वर्ष 2023-24 में भारत का कोयला आयात 7.7 प्रतिशत बढ़कर 26.82 करोड़ टन हो गया था जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में देश का कोयला आयात 24.90 करोड़ टन था। घरेलू कोयला उत्पादन पिछले वित्त वर्ष में 11.71 प्रतिशत बढ़कर 99.78 करोड़ टन हो गया, जबकि 2022-23 में यह 89.31 करोड़ टन था।

वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनी परिणाम तय करेंगे बाजार की चाल:विश्लेषक

- स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे

मुंबई ।

इस सप्ताह वृहद-आर्थिक आंकड़े, कंपनियों के जून तिमाही के पे रिणाम, जुलाई की थोक और खुदरा महंगाई के आंकड़ों और वैश्विक रुझान से शेयर बाजार की चाल तय होगी। विश्लेषकों ने यह अनुमान जताया है। इसके अलावा विदेशी निवेशकों की व्यापारिक गतिविधि भी बाजार में गतिविधियों को निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण भू मिका निभाएगी। इस सप्ताह चार दिन ही कारोबार होगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहेंगे। बाजार विश्लेषक ने कहा कि इस सप्ताह सबका ध्यान वैश्विक बाजारों पर रहेगा क्योंकि हम स्थिरता की लंबी अवधि के बाद कमजोरी का असर देख सकते हैं। भारतीय इक्विटी बाजार में भी इस सप्ताह कुछ हद तक स्तर बनाए रखने की स्थिति से जूझ सकते हैं। बाजार के ऊंचे मूल्यांकन के अलावा भू-राजनीतिक तनाव भी बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि घरेलू मोर्चे पर अप्रैल-जून तिमाही के लिए कंपनियों के वित्तीय नतीजों का अंतिम दौर इस सप्ताह खास शेयरों की दिशा तय करेंगे। इस सप्ताह हीरो मोटोकॉर्प और हिंडाल्को जैसी कुछ बड़ी कंपनियों के नतीजे आने वाले हैं। उन्होंने कहा कि संस्थागत प्रवाह भी बाजार की गतिशीलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वोडाफोन आइडिया, एनएमडीसी, आईआरसीटीसी, एसजेवीएन और पीसी ज्वैलर भी सप्ताह के दौरान अपनी तिमाही आय की घोषणा करेंगे। व्यापक आर्थिक मोर्चे पर सोमवार को जून के औद्योगिक उत्पादन आंकड़े और जुलाई की खुदरा मुद्रास्फीति दर की घोषणा की जाएगी। थोक मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति का आंकड़ा बुधवार को जारी किया जाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा कि इस सप्ताह आने वाले भारतीय मुद्रास्फीति के आंकड़ों के अलावा वैश्विक बाजार घरेलू बाजार की दिशा तय करेंगे।

पेट्रोल-डीजल के भाव स्थिर

नई दिल्ली ।

देश की सरकारी तेल मार्केटिंग कंपनियों इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने रविवार को पेट्रोल और डीजल के भाव अपडेट कर दिए हैं। जिसके बाद रे विवार को भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में किसी भी तरह का बदलाव नहीं हुआ है। मालूम हो कि पेट्रोल पर जीएसटी नहीं लगता है लेकिन पेट्रोल का रिटेल सेलिंग प्राइस एक्साइज ड्यूटी, डीलर कमिशन, वैट जुड़ने के बाद फाइनल होता है। हालांकि, देश के हर शहर में ईंधन की कीमत अलग-अलग होती है। इंडियन ऑयल की ऑफिशियल वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल की कीमत 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर और चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर है। देश के अन्य शहरों में भी रे विवार को पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में उतरेगी भारतीय क्रिकेट टीम

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम अब 19 सितंबर से एक बार फिर मैदान में नजर आयेगी। श्रीलंका दौरा के बाद टीम को तरोताजा होने के लिए करीब सवा महीने का ब्रेक मिल गया है। आमतौर पर वरिष्ठ सीनियर खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को उतारा जाता है पर इस साल कार्यक्रम ऐसा है कि युवाओं को भी ब्रेक मिल गया है क्योंकि इस बीच कोई सीरीज नहीं है।

भारतीय क्रिकेट टीम अब सीधा 19 सितंबर से बांग्लादेश टीम से घरेलू सीरीज खेलेगी। इस सीरीज में टीम को दो टेस्ट और तीन टी20 मैच खेलने हैं। यह टेस्ट सीरीज विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में शामिल रहेगी। ऐसे में भारत के पास बांग्लादेश को हराकर अंक तालिका में बढ़त लेने का अच्छा अवसर है। भारतीय टीम अभी अंकतालिका में पहले स्थान पर है। इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। इसके बाद भारतीय टीम दक्षिण अफ्रीका जाएगी। इस दौरे में चार मैच में टी20 सीरीज होगी। इसके बाद भारतीय टीम ऑस्ट्रेलिया जाएगी। वहीं अगले साल की शुरुआत में उसे इंग्लैंड जाना है। ऐसे में देखा जाये तो 19 सितंबर से भारतीय टीम का जो कार्यक्रम है वह काफी व्यस्त है।

भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट-चेन्नई में 19 से 23 सितंबर तक खेला जाएगा जबकि दूसरा टेस्ट कानपुर में 27 सितंबर से 1 अक्टूबर के बीच होगा। इसके बाद तीन टी20 मैच धर्मशाला , दिल्ली और हैदराबाद में 6 , 9 और12 अक्टूबर को खेले जाएंगे।

इस सीरीज के बाद न्यूजीलैंड की टीम भारत दौरे पर तीन मैच की टेस्ट सीरीज के लिए आएगी, यह सीरीज भी डब्ल्यूटीसी का हिस्सा रहने वाली है। न्यूजीलैंड के भारत दौरे का आगाज 16 अक्टूबर से शुरु होगा।

इस सीरीज का पहला पहला टेस्ट बेंगलुरु में 16 से 20 अक्टूबर जबकि दूसरा पुणे में 24 से 28 अक्टूबर और तीसरा मुंबई में 1 से 5 नवंबर के बीच खेला जाएगा।

बांग्लादेश और न्यूजीलैंड की मेजबानी करने के बाद भारतीय टीम चार मैच की टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीका का दौरा करेगी। यह सीरीज 8 नवंबर से शुरू होगी और आखिरी मैच 15 नवंबर को खेला जाएगा।

इस पहला टी20- डरबन में 8 नवंबर जबकि दूसरा टी20- गकबेहां में 10 नवंबर, तीसरा टी20- सेंचुरियन में 13 नवंबर और चौथा टी20 जोहानसबर्ग में 15 नवंबर को खेला जाएगा।

दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम का अगला दौरा ऑस्ट्रेलिया का होगा। बॉर्डर गावस्कर टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया इस बार 4 की जगह 5 मैच की टेस्ट सीरीज खेलेगी। भारत ने पिछले दो दौरों पर ऑस्ट्रेलिया को हराया है। ऐसे में इस बार भी टीम की नजरें जीत पर रहेंगी।

इस दौरे में ऑस्ट्रेलिया से पहला टेस्ट- पर्थ में 22 नवंबर से 26 नवंबर जबकि दूसरा एडिलेड में 6 दिसंबर से 10 दिसंबर, तीसरा टेस्ट ब्रिसबेन में 14 दिसंबर से 18 दिसंबर , चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से 30 दिसंबर तक खेला जाएगा। पांचवां टेस्ट सिडनी में 3 जनवरी से 7 जनवरी तक होगा।) ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद भारतीय टीम नये साल की शुरुआत में इंग्लैंड की मेजबानी करेगी। इस सीरीज में भारतीय टीम 5 टी20 और तीन मैच की एकदिवसीय सीरीज खेलेगी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले यह वनडे सीरीज दोनों टीमों के लिए महत्वपूर्ण होगी।

अब सर्जरी कराएंगे नीरज

पेरिस (एजेंसी)। भारत के स्टार भाला फैंक खिलाड़ी स्टार नीरज चोपड़ा अब मांसपेशियों से संबंधित समस्या की सर्जरी करायेंगें। नीरज को ओलंपिक से पहले ही जांघ की मांसपेशियों में दर्द उठा था पर तब उन्हें सर्जरी टालनी पड़ी थी। अब ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद नीरज के पास सर्जरी के लिए समय है। नीरज में पैर की मांसपेशियों मे दर्द के बाद भी 89.45 मीटर का थ्रो किया था। वह 2 ओलिम्पिक पदक जीतने वाले भारत के एकमात्र एथलीट हैं। उन्होंने टोक्यो में स्वर्ण पदक जीता था। नीरज ने कहा कि अभी मेरे दिमाग में बहुत कुछ है। जब मैं थ्रो करता हूं तो मेरा 60-70 फीसदी ध्यान चोट पर रहता है। मैं घायल नहीं होना चाहता। जब भी मैं थ्रो करने जाता हूं तो कि मेरी गति कम होती है। डॉक्टर ने भी मुझे सर्जरी के लिए जाने के लिए कहा था पर मेरे पास विश्व चैंपियनशिप से पहले या विश्व चैंपियनशिप के बाद यह निर्णय लेने के लिए इतना समय नहीं था क्योंकि ओलंपिक की तैयारी करनी थी।

उन्होंने कहा कि मैं अभी भी इस परेशानी के साथ खेल को आगे बढ़ा रहा हूं पर ये सही नहीं है। यदि आप एक लंबा करियर चलाना चाहते हैं तो आपको फिट और स्वस्थ रहना होगा। अब ओलंपिक समाप्त होने के बाद हम इस पर काम करेंगे और तकनीक पर काम करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि फिटनेस के मामले में पिछले 7 साल उनके लिए मुश्किल रहे। उन्होंने कहा कि मुझे 2017 में यह दर्द महसूस हुआ। तब मैंने इसका बहुत इलाज करवाया पर अब मुझे इसको लेकर सर्जरी के लिए जाना ही होगा।

वह सिल्वर की हकदार है- विनेश फोगाट के समर्थन में आए सौरव गांगुली

कोलकाता (पश्चिम बंगाल) (एजेंसी)। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने पेरिस ओलंपिक में महिलाओं की 50 किलोग्राम कुश्ती के फाइनल में विनेश फोगट की अयोग्यता पर खुलकर बात की और कहा कि वह रजत पदक की हकदार हैं। पेरिस ओलंपिक फाइनल से अयोग्य ठहराए जाने के बाद, फोगट ने गुरुवार को कुश्ती से संन्यास की घोषणा की। फोगाट ने मंगलवार रात सेमीफाइनल में क्यूबा की युस्नेलिस गुज़मैन लोपेज को 5-0 से हराकर स्वर्ण पदक मुकाबले में प्रवेश किया था। वह स्वर्ण पदक के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका की सारा एन हिल्डेब्रांट के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने के लिए तैयार थीं, लेकिन वजन सीमा का उल्लंघन करने के कारण बुधवार को उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया।

अपनी अयोग्यता के बाद, फोगट ने सोशल से उन्हें रजत पदक देने का अनुरोध किया। वहरहाल पत्रकारों से बात करते हुए गांगुली ने कहा कि उन्हें सटीक नियमों की जानकारी नहीं है लेकिन उन्होंने ÷उचित रूप से योग्यता प्राप्त की होगी÷। गांगुली ने कहा कि मुझे नहीं पता कि सटीक नियम क्या है, लेकिन मुझे यकीन है कि जब वह फाइनल में गई थी, तो उसने टीके से क्वालिफाई किया होगा। इसलिए, जब आप फाइनल में जाते हैं, तो यह या तो रजत या स्वर्ण होगा। वह सही या गलत तरीके से अयोग्य घोषित हुई, मैं पता नहीं, लेकिन वह कम से कम रजत की हकदार है।

इससे पहले, कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन फॉर स्पोर्ट (सीएएस) ने पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित विनेश फोगट को रजत पदक देने या न देने पर अपना फैसला सुनाने की समय सीमा मंगलवार, 13 अगस्त तक बढ़ा दी थी। आईओए ने शनिवार को अपने बयान में कहा कि सीएएस के तदर्थ प्रभाग ने विनेश फोगट बनाम यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग और अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ माननीय डॉ. एनाबेले बेनेट के लिए 13 अगस्त, 2024 को शाम 6 बजे तक निर्णय देने का समय बढ़ा दिया है।

संजू सैमसन ने तोड़ी चुप्पी, श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में हुई अनदेखी पर संजू सैमसन ने कही ये बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन का इंटरनेशनल करियर काफी उतार-चढ़ाव भार रहा है। लगभग एक दशक पहले डेब्यू करने वाले सैमसन ने अभी तक 30 टी20 और 16 वनडे खेले हैं। वह घरेलू क्रिकेट और आईपीएल में परफॉर्म कर भारतीय टीम में तो जगह बनाने में कामयाब रहते हैं, लेकिन जब मौका मिलता है तो अधिकतर समय वह इसका फायदा नहीं उठा पाते। हालांकि, साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले अपने आखिरी वनडे में सैमसन ने पहला इंटरनेशनल शतक जड़ा था, मगल इसके बावजूद उन्हें श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में जगह नहीं मिली।

उनके टीम इंडिया में सिलेक्शन को लेकर एक बात नोटिस की गई है कि उन्हें कम तवज्जों वाले फॉर्मेट में ही अकसर जगह मिलती है। अगर आगामी टूर्नामेंट वनडे फॉर्मेट का है तो उन्हें टी20 सीरीज के लिए चुना जाता है और इसके उल्ट अगर टूर्नामेंट टी20 का है तो उन्हें वनडे टीम में जगह मिलती है। हालांकि, आईपीएल 2024 की उनकी धाकड़ परफॉर्मेंस के बाद उन्हें टी20 वर्ल्ड कप स्क्वॉड में चुना गया था लेकिन ऋषभ पंत के कारण उन्हें प्लेइंग इलेवन में मौका नहीं मिला।

टी20 वर्ल्ड कप विजेता टीम का हिस्सा रहे संजू सैमसन ने हाल ही में केसीए द्वारा आयोजित केरल क्रिकेट लीग के शुभारंभ के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस का हिस्सा बने। इस दौरान उन्होंने चयनकर्ताओं द्वारा उनकी अनदेखी के सवाल का जवाब दिया। उन्होंने चनय न होने की शिकायत करने या मूर्खतापूर्ण कारण बताने के बजाय, संजू सैमसन ने चनय समिति के फैसले को स्वीकार करने की बात कही। उन्होंने कहा कि टीम का प्रदर्शन उनके लिए ज्यादा मायने रखता है और उन्होंने कहा कि वह केवल अपने जीवन में नियंत्रणीय चीजों पर ध्यान केंद्रित करते हैं।

सैमसन ने आगे कहा कि, जब भी वे मुझे चुनेंगे, मैं खेलने जाऊंगा। बस इनता ही है। आखिरकार, अगर टीम अच्छा प्रदर्शन कर रही है मैं एक ऐसा व्यक्ति हूं जो उच्च उद्देश्य में विश्वास करता हूं। मैं बस नियंत्रणीय परिस्थितियों में चीजों को सकारात्मक रूप से लेने और प्रयास करने की कोशिश करता हूं।

अमेरिकी खिलाड़ी बोला , अभी से खराब होने लगे हैं पदक

पेरिस । अमेरिकी खिलाड़ी निजाह हुडसन ने पेरिस ओलंपिक में मिले पदकों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। हुडसन के अनुसार ओलंपिक पदक जीतना सभी खिलाड़ियों का सपना रहता है। जो खिलाड़ी इसमें शामिल होते हैं वह अपने पदक को हमेशा के लिए सुरक्षित बनाये रखना चाहते हैं। हुडसन के अनुसार इसबार मिले पदकों की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। ऐसे में इसे जीवन भर संजो कर रखना संभव नहीं होगा। इस एक अमेरिकी खिलाड़ी ने आरोप लगाया है कि उन्हें मिला कांस्य पदक बेरंग होने के साथ ही खराब भी होने लगा है। इस खिलाड़ी ने पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग में तीसरे स्थान पर रहते हुए ही कांस्य पदक जीता था। यहां जापान के युटो होरिगोम ने स्वर्ण पदक जीता था। हुडसन ने खराब हो रहे पदक की तस्वीर भी साझा करते हुए कहा है कि आप देख सकते हैं कि पदक का रंग भी उतरने लगा है। इस खिलाड़ी ने पदक को लेकर कहा, ये ओलंपिक पदक तब अच्छे लगते हैं जब वे बिल्कुल नए होते हैं पर इसे थोड़ी देर के लिए पसीने के साथ अपनी त्वचा पर रखने और फिर ससाह के अंत में अपने दोस्तों दिखाने के बाद इसकी खराब गुणवत्ता नजर आने लगती है। इस खिलाड़ी ने कहा कि हमें पदक जीते एक सप्ताह हुआ है पर पदक का रंग खराब होने लगा है। मेरा मतलब है कि ये खराब होना शुरु हो गया है। यहां तक कि सामने का हिस्सा भी थोड़ा-थोड़ा उखड़ने लगा है। इसलिए पदकों की गुणवत्ता बेहतर बनानी होगी।

अब युवा खिलाड़ियों को कोचिंग देते दिखेंगे श्रीजेश

नई दिल्ली । पेरिस ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम के कांस्य पदक जीतने के साथ ही संन्यास लेने वाले दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश अब जुनियर टीम को कोचिंग देते हुए दिखेंगे। माना जा रहा है कि हॉकी इंडिया ने श्रीजेश से बात कर ली है और शीघ्र ही उन्हें जूनियर खिलाड़ियों को निखारते हुए देखा जा सकता है। इस मामले में हॉकी इंडिया आने वाले दिनों में घोषणा करेगा। हॉकी इंडिया इसलिए श्रीजेश को कोच बनाना चाहती है क्योंकि उनका दो दशक का करियर विवादों से रहित रहा है। श्रीजेश कोच के साथ ही कप्तान भी रहे हैं और उन्होंने अपने करियर में अपने ही बल पर कई मैच जीते हैं। ओलंपिक में भी इस बार श्रीजेश ने कई गोल रोककर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की ने कहा , ' श्रीजेश को कुछ दिन के अंदर ही पुरुष जूनियर टीम का कोच बनाएंगे। हमने इस बारे में उनसे बात कर ली है। हमारा मानना है कि युवाओं को उनसे बेहतर कोई मार्गदर्शन नहीं दे सकता। उसमें असाधारण क्षमता है जो उसने ब्रिटेन के खिलाफ मुकाबले में दिखायी। वह आने वाली पीढ़ी के गोलकीपरों को भी अमूल्य मार्गदर्शन देगा। 'टिर्की ने कहा,' हम चाहते हैं कि श्रीजेश कृशन बहादुर पाठक और सूरज करकेरा जैसे युवा गोलकीपरों को मार्गदर्शन दें जो उनकी जगह लेने जा रहे हैं।' अगले साल भारत में जूनियर विश्व कप होने वाला है। टिर्की ने कहा , 'श्रीजेश अगले साल जूनियर विश्व कप के लिए टीम को तैयार कर सकता है।'

बांग्लादेश क्रिकेट के लिए बनेगी एडहॉक कमिटी! खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने बीसीबी अधिकारियों से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश में पिछले कुछ दिन से हालात ठीक नहीं हैं। अंतरिम सरकार के युवा और खेल सलाहकार आसिफ महमूद ने रविवार को कहा कि उन्होंने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अधिकारियों से मुलाकात की। उनसे पूरा है कि क्या आईसीसी ढांचे के तहत अंतरिम प्रमुख नियुक्त किया जा सकता है। सलाहकार का पद संभालने के बाद पहली बार कार्यालय आए आसिफ ने सार्वजनिक रूप से घोषणा करने से पहले बीसीबी के साथ अधिकारियों के साथ बैठक की।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार 5 अगस्त को पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद से बीसीबी के अध्यक्ष नजमुल हसन और कुछ अन्य बोर्ड निदेशक गायब हैं। अंतरिम सरकार क्रिकेट बोर्ड को चलाने के लिए एक एडहॉक समिति नियुक्त कर सकती है। जानकारी के अनुसार अगर चुनाव बाद में होता है और प्रत्यक्ष रूप से सरकारी हस्तक्षेप नहीं होता है तो आईसीसी ऐसी समिति को स्वीकार करेगा।

नजमुल की बोर्ड पर 14 साल से पकड़

आईसीसी ने पहले श्रीलंका क्रिकेट को उसके कामकाज में सरकारी हस्तक्षेप के कारण नवंबर 2023 से जनवरी 2024 तक निलंबित कर दिया था। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड का संचालन अभी भी नजमुल के नेतृत्व वाले पैनल द्वारा किया जा रहा है। वे पिछले लगभग 14 वर्षों से बोर्ड चला रहे हैं। उन्होंने अभी तक अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है। हालांकि, आने वाली दिनों में उनका इस्तीफा तय माने जा रह हैं क्योंकि कई निदेशक अपनी राजनीति में होने के कारण देश छोड़ चुके हैं।

आईसीसी से दंडित होने से बचना चाहेगा बोर्ड

ये देखना दिलचस्प होगा कि बीसीबी अगले चुनाव तक के लिए एडहॉक कमिटी का विकल्प चुनता है या मौजूदा बोर्ड केसाथ जाता है। इसके अतिरिक्त, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के जाने के बाद खाली हुए पदों को चुनाव के माध्यम से नए लोगों को लाकर भरा जाएगा या नहीं, इस पर अभी विचार किया जा रहा है। हालांकि, कोई भी कदम उठाने से पहले ये सुनिश्चित किया जाएगा कि बोर्ड में सरकारी हस्तक्षेप के लिए आईसीसी से दंडित न किया जाए।

अमेरिकी खिलाड़ी बोला , अभी से खराब होने लगे हैं पदक

पेरिस । अमेरिकी खिलाड़ी निजाह हुडसन ने पेरिस ओलंपिक में मिले पदकों की गुणवत्ता पर सवाल उठाया है। हुडसन के अनुसार ओलंपिक पदक जीतना सभी खिलाड़ियों का सपना रहता है। जो खिलाड़ी इसमें शामिल होते हैं वह अपने पदक को हमेशा के लिए सुरक्षित बनाये रखना चाहते हैं। हुडसन के अनुसार इसबार मिले पदकों की गुणवत्ता अच्छी नहीं है। ऐसे में इसे जीवन भर संजो कर रखना संभव नहीं होगा। इस एक अमेरिकी खिलाड़ी ने आरोप लगाया है कि उन्हें मिला कांस्य पदक बेरंग होने के साथ ही खराब भी होने लगा है। इस खिलाड़ी ने पुरुषों की स्ट्रीट स्केटबोर्डिंग में तीसरे स्थान पर रहते हुए ही कांस्य पदक जीता था। यहां जापान के युटो होरिगोम ने स्वर्ण पदक जीता था। हुडसन ने खराब हो रहे पदक की तस्वीर भी साझा करते हुए कहा है कि आप देख सकते हैं कि पदक का रंग भी उतरने लगा है। इस खिलाड़ी ने पदक को लेकर कहा, ये ओलंपिक पदक तब अच्छे लगते हैं जब वे बिल्कुल नए होते हैं पर इसे थोड़ी देर के लिए पसीने के साथ अपनी त्वचा पर रखने और फिर ससाह के अंत में अपने दोस्तों दिखाने के बाद इसकी खराब गुणवत्ता नजर आने लगती है। इस खिलाड़ी ने कहा कि हमें पदक जीते एक सप्ताह हुआ है पर पदक का रंग खराब होने लगा है। मेरा मतलब है कि ये खराब होना शुरु हो गया है। यहां तक कि सामने का हिस्सा भी थोड़ा-थोड़ा उखड़ने लगा है। इसलिए पदकों की गुणवत्ता बेहतर बनानी होगी।

बिंद्रा ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित

पेरिस । भारत के महान निशानेबाज अभिनव बिंद्रा को शनिवार को प्रतिष्ठित ओलंपिक ऑर्डर से सम्मानित किया गया है। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक परिषद (आईओसी) ने बिंद्रा को ये सम्मान ओलंपिक मूवमेंट (आंदोलन) में उनके योगदान को देखते हुए दिया है। ओलंपिक ऑर्डर आईओसी की ओर से दिया जाने वाला सबसे बड़ा सम्मान है। इस सम्मान को पाकर उत्साहित बिंद्रा ने कहा कि कहा कि ये मेरे लिए सौभाग्य की बात है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बिंद्रा ने कहा, जब मैं छोटा बच्चा था, तो ये ओलंपिक रिंग ही थीं, जिन्होंने मेरे जीवन को अर्थ दिया। ऐसे में दो दशकों से अधिक समय तक अपने ओलंपिक सपने को पूरा करने में सक्षम होना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। अपने एथलेटिक करियर के बाद, ओलंपिक आंदोलन को आगे ले जाने का प्रयास करना और अपनी ओर से उसमें योगदान देना मेरे लिए जुनून और खुशी की बात रही है। यह पुरस्कार आने वाले समय में उस जुनून को और अधिक बढ़ावा देता है और मुझे उम्मीद है कि मैं और भी अधिक मेहनत करना जारी रखूंगा और जीवन भर ओलंपिक आंदोलन में सहयोग देता रहूंगा। बिंद्रा को ये सम्मान मिलने पर बधाइयां भी मिल रही हैं।

शाकिब के अड़ियल रवैये से टी20 कनाडा लीग से बाहर हुई बांग्ला टाइगर्स

टोरंटो । बांग्लादेश के ऑलराउंडर शाकिब अल हसन का विवादों से पुराना नाता रहा है। इसी कारण उनपर आरोप भी लगते रहे हैं। अब ग्लोबल टी20 कनाडा लीग के दौरान भी उनकी जिद के कारण ही उनकी टीम बाहर हो गयी। इस टूर्नामेंट का एलिमिनेटर मुकाबला शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसौगा और टोरंटो नेशनल्स के बीच खेला जाना था पर मगर खराब मौसम के चलते मैच होना संभव नजर नहीं आ रहा था। ऐसे में अंपायरों ने 1-1 ओवर का मैच रखा पर टीम के कप्तान शाकिब इसमें उतरने को तैयार नहीं हुए। एक रिपोर्ट के अनुसार शाकिब ने 1-1 ओवर का मैच खेलने से मना किया। उनका कहना था कि यह नियमों का उल्लंघन है। नियम यह है कि 1-1 ओवर का मैच तभी होता है जब मैच टाई हो। इसके अलावा किसी भी मैच का परिणाम निकालने के लिए 5-5 ओवर का खेल होना जरूरी है। अगर बांग्ला टाइगर्स मिसिसौगा वर्सेस टोरंटो नेशनल्स एलिमिनेटर बारिश के चलते नहीं हो पाता तो नियमों के तहत शाकिब की बांग्ला टाइगर्स मिसिसौगा को क्वालिफायर-2 के तौर पर प्रवेश मिल जाता क्योंकि उनकी टीम अंक तालिका में तीसरे पायदान पर रहते हुए एलीऑफ में पहुंची थी। मैच अधिकारी शाकिब को खेल के लिए समझाते रहे पर उन्होंने अपनी जिद नहीं छोड़ी। अंत में जब शाकिब टॉस के लिए मैदान पर नहीं उतरे तो अंपायरों ने मैच को रद्द करते हुए अंक तालिका में नंबर-4 पर होने के बाद भी टोरंटो नेशनल्स को अगले दौर मे में भेज दिया।

पेरिस ओलंपिक में इस बार छह भारतीय खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे

पेरिस (एजेंसी)। पेरिस (ईएमएस)। भारतीय खिलाड़ी पेरिस ओलंपिक में इस बार भारतीय खिलाड़ी केवल छ पदक ही जीत पाये जबकि पिछली बार टोक्यो ओलंपिक में उसने 7 पदक जीते थे जिसमें एक स्वर्ण भी शामिल था। इस बार भारतीय दल के पास और भी पदक जीतने का अवसर था पर क्वार्टर फाइनल में हार से वह निकल गया। 6 खिलाड़ी चौथे नंबर पर रहे जिससे हाथ आये पदक निकल गये। इस बार केवल निशानेबाज ही उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन कर पाये। वहीं अन्य खेलों में निर्णायक क्षणों में हार से भारतीय खिलाड़ियों के हाथ से पदक निकल गये। निशानेबाजी में दो पदक जीतकर, मनु भाकर ने प्रभावित किया। मुन ने एकल के बाद मिश्रित इवेंट में निशानेबाज सरबजोत सिंह के साथ कांस्य जीता। इसके अलावा व्यक्तिगत वर्ग में निशानेबाज स्वप्निल कुसाले ने भी कांस्य जीता। भाला फेंक में पिछले बार के स्वर्ण विजेता नीरज इस बार रजत पदक ही जीत पाये। भारतीय हॉकी टीम ने लगातार दूसरे ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। कुश्ती में अमन सहरावत ने एक मात्र पदक जीता। कुश्ती में विनेश फोगाट के सेमीफाइनल में वजन अधिक होने के कारण अयोग्य घोषित होने से भी भारत के हाथ से एक पदक निकल गया। मनु भाकर 25 मीटर एयर पिस्टल में चौथे स्थान पर रही और उनके हाथ से तीसरा पदक निकल गया। इसके अलावा निशानेबाज अर्जुन बबुता भी पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल में चौथे नंबर पर रह गए। इसके अलावा महेश्वरी चौहान और अनंतजीत सिंह नरूका भी निशानेबाजी के स्कीट टीम इवेंट में चौथे नंबर पर रहे। बैडमिंटन में पीवी सिंधु लगातार तीसरी बार ओलंपिक पदक जीतने से रह गयीं। पुरुष एकल में लक्ष्य सेन भी सेमीफाइनल में पहुंच पर वहां हार से पदक नहीं जीत पाये। वहीं भारोत्तोलन में मीराबाई चानू भी पदक जीतने में विफल रहीं . उन्होंने वेटलिफ्टिंग की अपनी कैटेगरी में कुल 199 किलो का वजन उठाया और चौथे नंबर पर रहीं. 200 किलो वजन उठाने वाली वेटलिफ्टर ने ब्रॉन्ज मेडल जीता. इस तरह मीराबाई चानू एक किलो वजन से मेडल चूक गईं. तीरंदाजी में अंकिता भकत और धीरज बोम्मादेवड़ा की जोड़ी भी चौथे स्थान पर रही और पदक हासिल नहीं कर पायी।

भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ियों ने सचखंड श्री हरिमंदर साहिब में मत्था टेका

अमृतसर (एजेंसी)। पेरिस ओलंपिक 2024 में कांस्य पदक जीतकर देश लौटी भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी रविवार को सचखंड श्री हरिमंदर साहिब में माथा टेकने पहुंचे। इस अवसर पर शिरोमणि गुरद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष एडवोकेट हरजिंदर सिंह धामी ने हॉकी खिलाड़ियों को श्री दरबार साहिब के सूचना केंद्र में सचखंड श्री हरमंदिर साहिब का स्वर्ण मॉडल, धार्मिक पुस्तकें और सिरोपा देकर सम्मानित किया। एडवोकेट धामी ने कहा कि यह हमारे लिए सम्मान और गर्व की बात है कि जब भी भारतीय हॉकी टीम में पंजाब के खिलाड़ियों की पूरी भागीदारी हुई है, टीम ने शानदार उपलब्धियां हासिल की हैं।

पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतना भी उनमें से एक है। उन्होंने हॉकी खिलाड़ियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और भविष्य में और बड़ी उपलब्धियों के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि टीम में शामिल पंजाब के खिलाड़ियों ने लंबे समय के बाद पंजाब की हॉकी से जुड़े इतिहास को दोहराया है। एडवोकेट धामी ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि उन्हें देश की हॉकी टीम में बड़ी संख्या में पंजाबी खिलाड़ियों से प्रेरणा लेनी चाहिए और खेलों में आगे आना चाहिए।

एडवोकेट धामी ने कहा कि सिख संगठन शिरोमणि कमेटी हमेशा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करती रही है और भविष्य में भी पंजाब और सिखों का गौरव बढ़ाने वाले युवाओं को प्रोत्साहित किया जाता रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से भारतीय हॉकी टीम के लिए खेलने वाले सिद्ध गुरु सिख खिलाड़ी जर्मनप्रीत सिंह का उल्लेख किया और सिख परिवारों से संबंधित खिलाड़ियों को अपनी सिख छवि बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि वह आज टीम के खिलाड़ियों के साथ सचखंड श्री हरमंदिर साहिब में नतमस्तक होकर धन्य महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि टीम को यह उपलब्धि गुरु साहिब के आशीर्वाद से ही मिल पाई है और उन्होंने भविष्य में टीम के बेहतर प्रदर्शन की प्रार्थना की। उन्होंने शिरोमणि कमेटी द्वारा मिले मान-सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। श्री हरिमंदर साहिब में धन्यवाद के लिए पहुंचे भारतीय हॉकी टीम के 9 खिलाड़ियों में कप्तान हरमनप्रीत सिंह, जर्मनप्रीत सिंह, मनप्रीत सिंह, मनदीप सिंह, हार्दिक सिंह, सुखजीत सिंह, गुरजंत सिंह, शमशेर सिंह, जुगराज सिंह शामिल थे। इसके अलावा टीम के कोच और खिलाड़ियों के परिवार वाले भी उनके साथ थे।

स्वर्ण विजेता जापानी पहलवान हिगुची ने बढ़ाया विनेश का हौंसला , बोला , मैं भी इस दौर से गुजरा हूं

पेरिस । जापानी पहलवान रेई हिगुची अब भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट के पक्ष में उतरे हैं। हिगुची के अनुसार विनेश को जिस प्रकार खिताबी मुकाबले से पहले अयोग्य घोषित कर बाहर कर दिया गया उससे होने वाले दुख को वह समझते हैं। विनेश को पेरिस ओलंपिक के फाइनल से पहले ही निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक होने के कारण फाइनल से बाहर कर दिया गया था।

वहीं हिगुची को टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों की 57 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा में क्वालीफायर से टीक पहले 50 ग्राम अधिक वजन होने के कारण बाहर कर दिया गया था। वहीं इस बार पेरिस ओलंपिक में हिगुची ने 57 किग्रा फ्रीस्टाइल के सेमीफाइनल में भारत के अमन सेहरावत को हराकर फाइनल में प्रवेश किया और स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने विनेश की संन्यास की घोषणा पर कहा कि मैं आपका दर्द अच्छी तरह समझता हूं क्योंकि मैं भी इस दौर से गुजरा हूं। साथ ही कहा कि दूसरों की बातों की चिंता मत करो। जिंदगी चलती रहती है। असफलताओं से उबरना सबसे बेहतर चीज है। अच्छी तरह आराम करो। हिगुची ने साल 2016 रियो ओलंपिक में रजत पदक अपने नाम किया था।

सूरत में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में भव्य 'तिरंगा पदयात्रा' निकाली गई

सूरत।

रविवार को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में सूरत में भव्य 'तिरंगा पदयात्रा' निकाली गई. हजारों सूरतवासियों की मौजूदगी से पूरा माहौल रंगीन हो गया और पूरा सूरत देशभक्ति के रंग में रंग गया। यात्रा मार्ग पर विभिन्न राज्यों के सांस्कृतिक दलों, स्कूली छात्रों, पारंपरिक सांस्कृतिक पोशाक में युवाओं ने रंगारंग देशभक्तिपूर्ण रचनाएँ प्रस्तुत कीं और 'तिरंगा पदयात्रा' में शामिल होने वाले पदयात्रियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। मिनी भारत सूरत में विभिन्न राज्यों से आए सांस्कृतिक दल और उनकी नृत्य प्रस्तुतियां लोगों के आकर्षण का केंद्र बनीं।

केंद्रीय जल संसाधन मंत्री सीआर पाटिल, गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष संघवी, शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पंशेरिया, वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेश पटेल ने विभाग द्वारा आयोजित %तिरंगा पदयात्रा% में झंडा फहराया। खेल, युवा सेवाओं और सांस्कृतिक गतिविधियों-गांधीनगर और सूरत नगर निगम के गणमान्य व्यक्ति चले गए थे। साथ ही मंत्री और गणमान्य लोग नागरिकों के साथ पैदल चलकर तिरंगा यात्रा में शामिल हुए. वाई जंक्शन से लालभाई कॉन्ट्रैक्टर क्रिकेट स्टेडियम तक दो किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा में हजारों सूरतियों ने भाग लिया, साथ ही मंत्रियों और गणमान्य लोगों ने भी तिरंगा लहराया। गणमान्य व्यक्तियों ने भी तिरंगे लहराए और नागरिकों को शुभकामनाएं दीं।

कार्यक्रम के अंत में मंत्रियों सहित उपस्थित सभी लोगों ने 9 से 15 अगस्त तक घर-घर तिरंगे को सम्मानपूर्वक लहराने के संकल्प के साथ सामूहिक रूप से तिरंगे को लहराने की शपथ ली।

तिरंगेयात्रा की शुरुआत सिविल डिफेंस के डिविजनल वार्डन और सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाशकुमार वेकरिया के गगनभेदी शंखनाद से हुई।

सांसद सर्वश्री मुकेशभाई पटेल, सांसद प्रभुभाई वसावा, विधायक सर्वश्री पूर्णेशभाई मोदी, विनोदभाई मोर्डिया, अरविंद राणा, प्रवीण घोघरी, संगीता पाटिल, मनु पटेल, किशोरभाई कनानी, संदीप देसाई, कांति बलार, पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद दर्शनाबेन जरदोश, मेयर दक्षेशभाई ने भाग लिया। तिरंगयात्रा में नगर निगम आयुक्त शालिनी अग्रवाल, जिला कलेक्टर डॉ. सौरभ पारधी, जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल, पुलिस आयुक्त अनुपमसिंह गहलौत, शहर प्रांत अधिकारी श्री विक्रम भंडारी सहित जिला प्रशासन और नगर निगम के अधिकारी, हजारों युवा, छात्र, नागरिक शामिल थे. सम्मिलित हुए।

विभिन्न स्कूलों के छात्र, शिक्षक, खेल समूह और संघ, एथलीट, सांस्कृतिक, सामाजिक और धार्मिक संगठन, प्रदर्शन कला संस्थान, डायमंड एंड टेक्सटाइल एसोसिएशन, फोस्टा, क्रेडाई, एनसीसी, एनएसएस, नेहरू युवा केंद्र, ओएनजीसी, कृभको, अदानी, औद्योगिक हजीरा के रिलायंस, एएमएनएस जैसे समूह, विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि और देशभक्त नागरिक उत्साहपूर्वक देशभक्ति के गीत गाते हुए पदयात्रा में शामिल हुए। अन्य राज्यों, विशेषकर उड़िया, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल, तेलंगाना, पंजाब और अन्य राज्यों के संगठन, जिनमें नागरिक और उनके सांस्कृतिक समूह भी शामिल हुए।

सूरत भूमि सूरत। लिम्बायत की विधायिक संगीता पाटिल जी की जन्मदिन के उपलक्ष्य पर फ्री मेडिकल चेकअप केम्प का सफल आयोजन पूर्व पार्षद यजुवेन्द्र दुबे व जन मंगल कल्याण सेवा चेरिटेबल ट्रस्ट के प्रमुख अवधेष मिश्रा व सामाजिक कार्यकर्ता संदीप मिश्रा द्वारा गोडादारा के सनराईज विद्यालय में किया गया। जिसमें पटिया के प्रतिष्ठित हेयर एंड केयर हॉस्पिटल की टीम ने 600 व वराछा के पी पी मान्या हॉस्पिटल की टीम ने 500 लोगों का चेकअप किया। ब्लड टेस्ट के लिए श्रद्धा लेबोरेट्री ने 100 लोगो का सेम्पल लेकर सेवा दिया। सुबह 11 बजे से 3 बजे तक यह कार्यक्रम किया गया। 5 जितने केस हार्ट के थोड़े दिक्कत वाले रहे,जिसको हॉस्पिटल बुलाया गया है। नेत्र जांच में सबसे ज्यादा लोगों ने लाभ उठाया। इस दौरान कार्यक्रम में डिप्टी मेयर डॉ नरेंद्र पाटिल,पूर्व चेयरमैन विक्रम पाटिल समेत कई गणमान्य उपस्थित रहे।

सुरत भुमि, सूरत। लिंबायत विधानसभा की विधायिका संगीता पाटिल के जन्मदिन के उपलक्ष में नगर प्राथमिक शिक्षण समिति के सदस्य श्री शुभम गुलजारीलाल उपाध्याय द्वारा विद्यार्थियों को नोटबुक वितरण कार्यक्रम रखा गया था। इस अवसर पर लिंबायत विधानसभा की विधायिका संगीता बंद पाटिल एवं बांधकाम समिति के अध्यक्ष भाई दास पाटिल, वार्ड नंबर 27 के पार्षद सुधाकर भाई चौधरी, वार्ड नंबर 27 की महिला पार्षद निराला बेन राजपूत एवं विस्तार की अग्रणी विजय भाई पांडे, उमेश तिवारी, विजय उपाध्याय राजू श्रीवास्तव,चंदन सिंह, दीपक दुबे शामिल हुए।

सचीन क्षेत्र में गुजरात चौरसिया समाज की बैठक संपन्न हुई

सुरत भुमि, सूरत।

गुजरात चौरसिया समाज सम्मेलन के चलते आज रविवार को सचीन क्षेत्र में गुजरात चौरसिया समाज की बैठक संपन्न हुई। गुजरात चौरसिया समाज के अध्यक्ष मनोज चौरसिया अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई थी।बैठक में समाज के महासचिव अजय चौरसिया, उपाध्यक्ष सहदेव चौरसिया, सलाहकार कृष्णा चौरसिया, अशोक चौरसिया मुख्यरूप से उपस्थित थे। सचिन क्षेत्र कमीटी के सह प्रभारी पाली गांव निवासी हरीहर चौरसिया के निवासस्थान पर आयोजित की गई थी। बैठक के दौरान अध्यक्ष मनोज चौरसिया ने उपस्थित पदाधिकारियों को तथा कमीटी कार्यकर्ता को संबोधित करते हुए कहा कि सभी समाज को एक सूत्र में बंध कर समाज हीत में शरीक होने की जरूरत है उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने की सभी बंधूओ से अपिल की। बैठक में सचिन क्षेत्र कमीटी प्रभारी हीरालाल चौरसिया, ओमप्रकाश चौरसिया,भीम चौरसिया, मनोज चौरसिया, जनार्दन चौरसिया, रामनरेश चौरसिया, राजेन्द्र चौरसिया, मनोरंजन चौरसिया, हेमंत चौरसिया, अवधेश चौरसिया, शिवशंकर चौरसिया, संजय चौरसिया, एवं भगवान चौरसिया समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे। बैठक के अंत में सचिन क्षेत्र सहप्रभारी हरीहर चौरसिया के निवासस्थान पर अल्पाहार के बाद भोजन का आनंद सभी बंधूओ ने लीया।

सूरत भूमि सूरत। सावन के महीने में देश के हर शिव मंदिर में कावड़ यात्रा का आयोजन किया जाता है। इस उपलक्ष में सूरत में समस्त झारखंड समाज सेवा समिति द्वारा बाबा बैद्यनाथ धाम महादेव मंदिर तक कावड़ यात्रा का आयोजन किया गया। कावड़ यात्रा में भारी मात्रा में युवाओं ने भाग लिया और पूरी भक्ति भावना से इस कावड़ यात्रा को सफल बनाया।

डांस वर्कशॉप का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत।

अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा डांस वर्कशॉप का आयोजन शनिवार को सिटी-लाईट स्थित महाराजा अग्रसेन पैलेस के वृंदावन हॉल में किया गया।

वर्कशॉप में डांस कोरयोग्राफर रितु और उसकी टीम ने लड़कियों को सेमी-क्लासिकल डांस की नई तकनीक सिखाई। आयोजन में सभी में डांस सीखा और सभी ने सामूहिक डांस भी किया। दो घंटे चली वर्कशॉप में 50 से अधिक लड़कियों ने हिस्सा लिया। डांस वर्कशॉप में युवा शाखा की जयंती पोद्दार, किर्ति गर्ग, दिशिता गोयल, यश्वी अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहीं।

श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम द्वारा विशाल कावड़ यात्रा का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। पवित्र मास सावन के उपलक्ष में श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा विशाल कावड़ यात्रा का आयोजन रविवार को सुबह सात बजे से किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम ने बताया कि इस मौके पर सुबह नावड़ी ओवरा पर कावड़ की पूजा की गयी एवं जल भरा गया। इसके पश्चात् यात्रा रवाना हुई। यात्रा के दौरान हाथों में कावड़ लिए सैंकड़ों भक्त भगवान शिव का गुणगान करते हुए चल रहे थे। यात्रा में डीजे एवं जीवंत झांकियाँ भी ट्रस्ट द्वारा सजाई गयी थी। यात्रा नावड़ी ओवरा से रवाना होकर घौड़-दौड़ रोड, सिटी-लाइट होते हुए वीआईपी रोड स्थित श्री श्याम मंदिर, सुरतधाम पहुँची, जहाँ सभी भक्तों ने भगवान भोले का जलाभिषेक किया। मार्ग में यात्रा का स्वागत जगह-जगह पुष्प-वर्षा, जलपान आदि से किया गया। इस मौके पर सभी भक्तों के लिए ट्रस्ट द्वारा महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी थी। कावड़ यात्रा में ट्रस्ट के सचिव राजेश दोदराजका, कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल, सुभाष जगनानी सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

सिम्बायोसिस के एमबीए प्रोग्राम के लिए SNAP टेस्ट 2024 की एडमिशन विंडो खुली

भारत । सिम्बायोसिस नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट (SNAP) 2024 के माध्यम से सिम्बायोसिस एमबीए प्रोग्राम के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया अब आधिकारिक रूप से शुरू हो गई है। इस बेहद प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा ने 5 अगस्त 2024 से अपनी एडमिशन विंडो खोल दी है। वे छात्र जो इस परीक्षा के जरिए सिम्बायोसिस एमबीए प्रोग्राम में प्रवेश पाना चाहते हैं, वे SNAP की ऑफिशियल वेबसाईट पर विजिट कर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया, योग्यता के मानकों पर विवरण एवं अन्य जरूरी जानकारी पा सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि परीक्षा का शहर, और परीक्षा की दिनांक का आवंटन पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर किया जाएगा।

2024 के लिए SNAP कम्प्यूटर बेस्ड टेस्ट का आयोजन तीन दिनांकों- 8 दिसम्बर 2024 (रविवार), 15 दिसम्बर 2024 (रविवार) और 21 दिसम्बर 2024 (शनिवार) को होगा। परीक्षा के परिणामों की घोषणा 8 जनवरी 2025 (बुधवार) को की जाएगी।

आगामी परीक्षा के माध्यम से उम्मीदवार एक ही फॉर्म के साथ सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) के 17 संस्थानों में 27 प्रोग्रामों के लिए आवेदन कर सकते हैं।

'सिम्बायोसिस इंटरनेशनल युनिवर्सिटी में हम छात्रों को उद्योग जगत की जरूरत के अनुसार प्रोफेशनल्स के रूप में तैयार करते हैं, जो इनोवेटिव हों और समस्याओं के समाधान में सक्षम हों। SNAP उन्हें ऐसे संस्थान में प्रवेश का मौका देता है, जहां वे मैनेजमेन्ट में बेहतरीन करियर बनाने के लिए उचित प्रशिक्षण पा सकते हैं। हम छात्रों को प्रोत्साहित करते हैं कि इस अवसर का लाभ उठाएं और हमारे साथ इस यात्रा में शामिल हों।' डॉ रामाकृष्णन रमन, वाईस चांसलर, सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) ने कहा।

टेस्ट का संचालन देश के 80 शहरों में होगा और उम्मीदवार इस परीक्षा को तीन बार तक दे सकते हैं। 'बेस्ट ऑफ थ्री' दृष्टिकोण के आधार पर सबसे ज़्यादा स्कोर के आधार पर छात्रों को प्रवेश दिया जाएगा। हर बार परीक्षा के लिए छात्रों को रु 2250 का रजिस्ट्रेशन शुल्क देना होगा और आवेदन किए गए हर प्रोग्राम के लिए अतिरक्त रु 1000 का शुल्क लगेगा।

सिम्बायोसिस नेशनल एप्टीट्यूड टेस्ट के लिए छात्र के पास मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी या राष्ट्रीय महत्व के संस्थान से कम से कम 50 फीसदी अंक (एससी/एसटी के लिए 45 फीसदी) के साथ बैचलर की डिग्री होनी चाहिए। फाइनल ईयर के अंडरग्रेजुएट छात्र भी आवेदन कर सकते हैं, बशर्ते कि प्रवेश पाने के लिए उन्हें फाइनल परीक्षा में न्यूनतम अंक लाने होंगे। विदेशी युनिवर्सिटी से आने वाले छात्रों के पास एसोसिएशन ऑफ इंडियन युनिवर्सिटी के सर्टिफिकेट के समकक्ष योग्यता होनी चाहिए।

SNAP सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड युनिवर्सिटी) से संबद्ध कई प्रतिष्ठित मैनेजमेन्ट संस्थानों में छात्रों को कई तरह के एमबीए प्रोग्राम करने का मौका देता है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)